हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 32 ■ नई दिल्ली 05 से 11 जून 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

विकसित भारत का लक्ष्य केंद्र, राज्यों की सामूहिक जिम्मेदारी

सहयोग के प्रभावी मंच की भूमिका निभा सकता है नीति आयोग: प्रधानमंत्री मोदी

- 'विकसित भारत @2047' के विजन और समावेशी मानव विकास के रोडमैप पर हुई गहन चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित राष्ट्र के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सरकार के हर स्तर पर सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी के भाव पर बल देते हुए गुरुवार को कहा कि नीति आयोग इस तरह के सहयोग के लिए एक प्रभावी मंच की भूमिका निभा सकता है। श्री मोदी ने युवा आबादी को देश की एक प्रमुख शक्ति और ऐतिहासिक अवसर बताते हुए इसका लाभ उठाने के लिए युवाओं को मांग आधारित शिक्षण - प्रशिक्षण दिये जाने की आवश्कता पर बल दिया है। वह राजधानी में नीति आयोग की संचालन परिषद की ग्यारहवीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था निरंतर अच्छी गति से आगे बढ़ रही है और मजबूत बनी हुई है। विभिन्न देशों और समूहों के साथ किये गये मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से लघु और मझोले उद्यमों सहित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अवसर बढ़ेंगे।

बैठक में राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों, अपने वरिष्ठ सहयोगी मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री मोदी ने कहा, ह्यजैसे-जैसे भारत 'विकसित राष्ट्र' के संकल्प की ओर अग्रसर हो रहा है, हमारी सामूहिक जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान मार्गदर्शक सिद्धांत होने चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि नीति आयोग सहयोग के एक प्रभावी मंच के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जहां राज्य विचारों का आदान-प्रदान कर सकें और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए मिलकर कार्य कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री देश की जन संख्या में युवा आबादी के बड़े अनुपात को 'एक ऐतिहासिक अवसर' बताया और कहा कि 'इसे हम खोने का जोखिम नहीं उठा सकते।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मांग आधारित कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना हमारी प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। सशक्त युवा ही भारत की विकास यात्रा के सबसे बड़े प्रेरक बनेंगे। उन्होंने कहा कि महिला-नेतृत्व वाला विकास विकसित भारत की परिकल्पना का एक प्रमुख आधार है। कृषि, स्टार्टअप, विज्ञान और नवाचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। राज्यों को महिलाओं की शिक्षा, कौशल विकास, सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि उनकी पूर्ण क्षमता का उपयोग करते हुए भारत की विकास यात्रा को और गति दी जा सके।

श्री मोदी ने कहा, विश्व इस समय अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, फिर भी भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास और निर्यात के नये अवसर सृजित करने के लिए अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किये हैं। ये समझौते हमारे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएम इकाइयों) के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए वैश्विक बाजारों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा सकें।

बैठक शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सहकारी संघवाद की भावना से प्रेरित होकर हम सभी भारत की विकास यात्रा को तेज करने के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयास ही विकसित भारत के हमारे साझा संकल्प को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग के सर्वोच्च निकाय की यह बैठक ऐसे समय हुई है जबकि श्री मोदी ने देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कल इस पद पर निरंतर 4399 दिन पूरे कर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकार्ड पूरा किया।

नीति आयोग की टीम का सरकार ने हाल में ही पुनर्गठन किया है और डॉ सुमन बेरी की जगह पूर्व आर्थिक सलाहकार डॉ अशोक लाहिड़ी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। सरकार के सामने इस समय पश्चिम एशिया युद्ध के चलते अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की चुनौती है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भू-राजनीतिक संकट के कारण पैदा खलल को देखते चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान को अप्रैल के 6.9 प्रतिशत से घटा कर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को भी बढ़ा कर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अप्रैल में इसे 4.6 प्रतिशत रखने का अनुमान लगाया था।

राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल की रणनीति

इस उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और केंद्रीय मंत्री शामिल हुए हैं। चर्चा का मुख्य केंद्र राज्यों के दृष्टिकोण को राष्ट्रीय विजन के साथ संरेखित करना है ताकि एक समान और सतत विकास सुनिश्चित किया जा सके। इसके लिए गवर्नेंस, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा-संचालित प्रणालियों को प्रमुख आधार बनाकर एक विस्तृत क्रियान्वयन रोडमैप तैयार किया जाएगा, जिससे कार्यों में जवाबदेही और स्पष्ट परिणाम सुनिश्चित हो सकें।

गुरु रंधावा के जिम के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली हमले की जिम्मेदारी

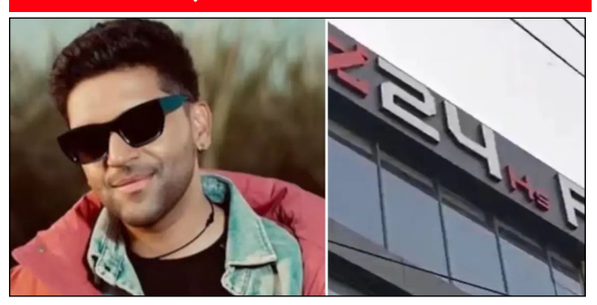

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के मालिकाना हक वाले एक फिटनेस जिम के बाहर अज्ञात बदमाशों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है। इस अचानक हुए हमले के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया है। इस बीच, इस सनसनीखेज फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक कथित पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए इस बात का दावा किया गया है। वायरल ऑडियो में कथित तौर पर गैंग के एक सदस्य को साफ तौर पर यह कहते सुना जा सकता है कि गुरु रंधावा के बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ काफी करीबी रिश्ते हैं, और इसी वजह से उन्हें निशाने पर लिया गया है। इस धमकी भरे ऑडियो में इस हमले को महज एक ट्रेलर बताया गया है, जिससे आने वाले समय में खतरा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जिम के आसपास के विजुअल्स और सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में ले लिया है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। पुलिस इस बात की भी गहराई से तफ्तीश कर रही है कि क्या यह वाकई लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ही हरकत है या फिर किसी अन्य असामाजिक तत्व ने इलाके में केवल दहशत और खौफ फैलाने के लिए इस कुख्यात गैंग के नाम का इस्तेमाल किया है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक,

एक नजर

सीबीआई ने जॉर्जिया से वांछित का प्रत्यर्पण कराया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जॉर्जिया से वांछित वैन्केट गर्ग का प्रत्यर्पण कराया है। गर्ग हरियाणा पुलिस के कई मामलों में वांछित है, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी, संगठित अपराध और अवैध हथियारों का इस्तेमाल शामिल है। उसे जॉर्जिया में गिरफ्तार करने के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी पर गुरुवार को भारत लाया गया। सीबीआई ने बताया कि सक्रिय समन्वय के तहत हरियाणा पुलिस की एस्कॉर्ट टीम जॉर्जिया गई। यह टीम वैन्केट गर्ग को लेकर 11 जून को दिल्ली पहुंची, जहां उसे सीबीआई ने हिरासत में लिया। इस कार्रवाई में सीबीआई को विदेश मंत्रालय गृह मंत्रालय और हरियाणा पुलिस ने सहयोग किया। इंटरपोल चैनलों के माध्यम से एनसीबी-नई दिल्ली ने वैन्केट गर्ग के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया था। इसके आधार पर जॉर्जियाई अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार किया और भारत के अनुरोध पर प्रत्यर्पण की अनुमति दी। एजेंसी ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

भारत ने मालदीव को भेजी खसरा के टीके की 20 हजार खुराक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मालदीव सरकार को टीकाकरण कवरेज को मजबूत करने और जन स्वास्थ्य की रक्षा करने में सहायता के लिए खसरा के टीके की 20 हजार खुराक और लगभग 3 टन चिकित्सा सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह समय पर दी गई सहायता मालदीव में खसरे के बढ़ते मामलों से निपटने और सरकार के राहत प्रयासों को मजबूत करने में सहायक होगी। भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति और विजन महासागर में मालदीव का विशेष स्थान है। एक विश्वसनीय प्राथमिक सहायता प्रदाता के रूप में भारत दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए मालदीव सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कंगना ने पीएम मोदी को बताया दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता

जोधपुर, एजेंसी। फिल्म अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि उनके नेतृत्व में देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता के प्रीमियर के लिए गुरुवार को कंगना जोधपुर पहुंची। एयरपोर्ट पर मीडिया से संक्षिप्त बातचीत के दौरान कंगना ने कहा कि दुनिया जब युद्ध से ग्रस्त है, तब भी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। प्रधानमंत्री को दुनिया सबसे ज्यादा रेटिंग दे रही है। उन्होंने इसे उनके नेतृत्व की शुरूआत बताया और आने वाला दशक देखने की उम्मीद जताई। कंगना ने अपनी फिल्म भारत भाग्य विधाता के बारे में बताया कि इसके प्रेरणा स्रोत देश के वे हजारों भाई-बहन कर्मचारी हैं, जो दिन-रात देश को बनाने में जुटे रहते हैं।

आगामी चुनावों में उप्र की जनता पुन: मोदी-योगी को देगी आशीर्वाद : पीयूष गोयल

लखनऊ, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लखनऊ में कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता आगामी चुनावों में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आशीर्वाद देगी। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने देश को विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए कई ऐतिहासिक काम किए हैं, ये सभी काम सुनहरे अक्षरों में लिखे जाएंगे। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी की लखनऊ महानगर इकाई की ओर से सहकारिता भवन के सभागार में आयोजित प्रबुद्ध जन विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बोल रहे थे। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं के स्वागत के बाद उन्होंने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। वे देश के पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री पद पर निरंतरता से काम किया है और एक दिन भी छुट्टी नहीं ली। उन्होंने कहा कि इसी साल अक्टूबर में दोनों कार्यकाल मिलाकर 25 साल पूरे हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म करने से लेकर देश से नक्सलवाद, आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने, देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने, हर घर नल से जलापूर्ति, कोरोनो काल में वैक्सीन निर्माण और लोगों की हर हाल में सुरक्षा का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इसके साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कई योजनाएं हैं।

संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश के खिलाफ लड़ने की जरूरत : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी, परीक्षा घोटाले, सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों के साथ ही संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं को भी कमजोर किया जा रहा है जिनके खिलाफ सख्ती से लड़ने की जरूरत है।

श्री खरगे ने गुरुवार को यहां इंदिरा भवन में कांग्रेस महासचिवों, विभिन्न राज्यों के प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिन संस्थाओं और व्यवस्थओं को बनाने में दशकों लगे, उन्हें कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा करना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नीट, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों युवाओं और उनके परिवारों का विश्वास हिला दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी स्वयं प्रभावित छात्रों और युवाओं से मिले हैं तथा उनकी आवाज को देश के सामने मजबूती से रखा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'आज दुर्भाग्य से हम देखते हैं कि जिन संस्थाओं और व्यवस्थाओं को बनाने में दशकों लगे, उन्हें कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी केवल राजनीतिक संघर्ष की नहीं, बल्कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा की भी है। उन्होंने पार्टी नेताओं से जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम, संगठनात्मक रणनीति तथा आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। श्री खरगे ने कहा कि कांग्रेस इन

गिले-शिकवे दूर कर गलबहियां हुए इंडिया समूह के नेता

नई दिल्ली। लगभग दो वर्षों के अंतर्द्वंद्व के बाद सिकुड़ते जनाधार के साथ इंडिया समूह की बैठक में शामिल हुए क्षेत्रीय क्षत्रपों ने भले ही आपसी बैर भाव को समाप्त कर गलबहियां करते हुए सार्वजनिक मंच से सार्थक संदेश देने का प्रयास किया हो लेकिन सच्चाई यह है कि अभी भी विभिन्न विषयों को लेकर मतभेद कायम है. चर्चा है कि जिस तरह से लगभग सभी क्षेत्रीय दलों ने अपने सिकुड़ते जनाधार से परेशान होकर कांग्रेसी अगुवाई को अनौपचारिक रूप से स्वीकार किया है उससे साफ है कि अब क्षेत्रीय दलों को भी भाजपा के खिलाफ किलाबंदी करने के लिए कांग्रेसी हाथ और मजबूत साथियों के साथ की जरूरत है. चर्चा यह भी है कि अब इंडिया समूह में शामिल छोटे दल कांग्रेस को आंख दिखाने के बजाय गलबहियां की रणनीति को महत्व देना आरंभ कर चुके हैं. हालांकि कांग्रेस भी समय व परिस्थिति को भांपकर आपसी विवाद पर पानी डालते हुए नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने को तैयार दिख रही है. बिखराव के साथ सिकुड़ गई टीएमसी चुनावी हार और कुनबाई बिखराव के कारण कभी भाजपा के खिलाफ आक्रामक दिखने वाली टीएमसी इन दिनों अस्तित्व बचाने के संकट में उलझ गई है. जिस तरह से ममता बनर्जी व अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व के खिलाफ उनके अपने चहेते विधायकों व सांसदों ने मोचार्बंदी कर अलग राह अपना ली है उससे साफ है कि ममता के नेतृत्व वाली टीएमसी न सिर्फ कमजोर हो चुकी है बल्कि विघटन के राह पर भी बहुत आगे निकल गई है.

देश में कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई स्थिर : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के बादजूद देश में कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। सरकार ने कहा कि रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालई प्रेसवार्ता में कहा कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर मांग बढ़ने की खबर मिली है। फिर भी ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पूरे नेटवर्क में सप्लाई को सुचारू और बिना किसी रुकावट के बनाए रखने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में घरेल रसोई गैस (कुकिंग) एलपीजी सिलेंडर की 1.40 करोड़ बुकिंग मिलीं है, जिनके मुकाबले 1.49 करोड़ डिलीवरी पूरी की गईं है।

उन्होंने बताया कि इसी दौरान लगभग 22,340 टन कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

बेची गई, जबकि 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की करीब 1.91 लाख यूनिट्स की भी सप्लाई की गई है। सुजाता शर्मा ने कहा कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर अभी भी काफी बिक्री हो रही है, लेकिन हम सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों में सप्लाई सुचारू रूप से बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। सरकार नाविक समुदाय की भलाई और सुरक्षा को बहुत महत्व देती है। उन्होंने कहा कि कल हमने ओमान के तट के पास एक जहाज पर हुए हमले की निंदा की, जिसमें दुर्भाग्य से तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। जायसवाल ने कहा कि हमने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए यूएस के चार्ज डी'अफेयर्स किया था। इस क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और ये क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का सीधा नतीजा हैं। इन हमलों को रोका जाना चाहिए। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता की जल्द बहाली सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति का भी आह्वान करते हैं।

विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि हमारा पूरा ध्यान इस क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने पर है। उन्होंने कहा कि जानकारी साझा करने और जरूरी कदम उठाने के लिए हम राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगातार संपर्क में हैं। महाजन ने कहा कि भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास समुदाय की सक्रिय रूप से मदद कर रहे हैं। वे 24ग7 हेल्पलाइन चला रहे हैं, स्थानीय अधिकारियों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए हैं और यात्रा, नियमों, कांसुलर सेवाओं तथा कल्याणकारी उपायों के बारे में नियमित रूप से एडवाइजरी जारी कर रहे हैं।

इसके अलावा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने बताया कि देश में उर्वरक का कुल स्टॉक अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि स्टॉक की स्थिति को देखते हुए पूरे देश में इसकी उपलब्धता पहले से ही 51 फीसदी है। इसमें कच्चा माल और तैयार उर्वरक की सप्लाई पक्की करने के लिए लंबे समय के आपूर्ति समझौते ने बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हमारे कई संयुक्त उद्यम हैं और विदेशों में अपने मिशन के जरिए हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (एसओएच) के बाहर के देशों के साथ कच्चा माल और तैयार उर्वरक की सप्लाई के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बिक्री हमेशा की तरह जोरों पर रही है। भारतीय किसानों ने पूरे देश में लगभग 11.38 एलएमटी ऑर्गेनिक खाद और अन्य उर्वरक खरीदे हैं।

विधायक शशिभूषण मेहता ने कोयल अपेरल पार्क का किया निरीक्षण

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः चैनपुर पांकी विधानसभा क्षेत्र के विधायक Shashi Bhushan Mehta ने मंगलवार को चैनपुर स्थित कोयल अपेरल पार्क का निरीक्षण कर वहां संचालित सिलाई एवं परिधान उत्पादन कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उत्पादन इकाई में कार्यरत महिलाओं से बातचीत की, उनकी कार्यशैली को नजदीक से देखा और उनके कौशल, समर्पण तथा मेहनत की सराहना करते हुए महिला शक्ति को नमन किया।विधायक ने कहा कि कोयल अपेरल पार्क ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अपने हुनर और परिश्रम के दम पर बड़े राष्ट्रीय ब्रांडों के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर रही हैं, जो पूरे पलामू जिले के लिए गर्व का विषय है।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने उत्पादन इकाई में चल रहे कार्यों को बारीकी से देखा। उन्हें बताया गया कि वर्तमान में यहां महिलाओं द्वारा Dixcy Scott कंपनी के पुरुषों के अंडरगार्मेंट्स का उत्पादन किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता और कार्य के प्रति उनकी गंभीरता से विधायक काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने कहा कि यह साबित करता है कि यदि ग्रामीण महिलाओं को उचित प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोयल अपेरल पार्क जैसी इकाइयां केवल रोजगार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, परिवारों की आय बढ़ाने और सामाजिक परिवर्तन लाने का भी प्रभावी माध्यम हैं। ऐसी योजनाओं से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे परिवार के साथ-साथ समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

विधायक शशिभूषण मेहता ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में इस प्रकार की सिलाई एवं उत्पादन इकाइयों की स्थापना की जानी चाहिए ताकि अधिक से अधिक महिलाओं को अपने घर के नजदीक ही रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने अपने पांकी विधानसभा क्षेत्र में भी इसी तरह की उत्पादन इकाई स्थापित करने की इच्छा व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में आवश्यक पहल करने का सुझाव दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मनातू की बीपीएम नम्रता से विशेष रूप से बातचीत की और मनातू प्रखंड में भी सिलाई उत्पादन इकाई स्थापित करने तथा महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आएगा तथा आत्मनिर्भर भारत के सपने को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला प्रबंधक नवल किशोर राजू ने विधायक को कोयल अपेरल पार्क की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था, उत्पादन प्रक्रिया, विपणन प्रणाली तथा महिलाओं को मिलने वाले रोजगार और आय संबंधी लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह इकाई ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमित आय का स्रोत भी प्रदान कर रही है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

निरीक्षण के दौरान बीपीएम वैभव कांत आदर्श, ट्राइफ (TRIF) की क्वीन बौरा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी भी मौजूद रहे। सभी ने महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण रोजगार सृजन की दिशा में इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए इसके विस्तार पर बल दिया। कोयल अपेरल पार्क का यह मॉडल वर्तमान समय में ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता, रोजगार और सम्मानजनक आजीविका का एक सफल उदाहरण बनकर उभर रहा है, जिसकी सराहना अब जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रशासनिक स्तर पर भी की जा रही है।

हाईटेंशन पोल लगाने से किसानों में दिखी नाराजगी

उचित मुआवजे और न्याय की उठी मांग

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः राज्य में निजी कंपनियों द्वारा किसानों की सहमति के बिना उनकी कृषि भूमि, खेतों और वाड़ियों में हाईटेंशन बिजली के भारी-भरकम पोल लगाए जाने को लेकर किसानों में गहरा असंतोष देखने को मिल रहा है। किसानों का आरोप है कि इस प्रक्रिया में उनकी फसलों, पेड़ों और जमीन को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जबकि इसके बदले उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। किसानों का कहना है कि बिना अनुमति उनके खेतों में बिजली के पोल खड़े किए जा रहे हैं और हाईटेंशन लाइनें बिछाई जा रही हैं। इस दौरान फसलें नष्ट हो रही हैं और भूमि की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है, जिससे भविष्य में जमीन का बाजार मूल्य भी घट जाता है। किसानों का यह भी आरोप है कि जब वे इसका विरोध करते हैं तो प्रशासन और पुलिस के माध्यम से कार्रवाई कर उन्हें रोका जाता है। स्थानीय किसानों के अनुसार, विरोध प्रदर्शन या आंदोलन करने पर उन्हें दबाव का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों ने सवाल उठाया है कि जब वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी समस्याएं उठाते हैं, तो उनकी सुनवाई क्यों नहीं होती।

किसानों का यह भी कहना है कि राज्य के कई जनप्रतिनिधि किसान परिवारों से आने के बावजूद उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। इसके चलते किसानों में सरकार और प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस मुद्दे को लेकर विभिन्न जिलों में किसान संगठनों द्वारा आंदोलन, उपवास और विरोध कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।किसानों ने मांग की है कि उनकी भूमि पर लगाए जा रहे हाईटेंशन पोल के बदले उन्हें उचित और सम्मानजनक मुआवजा दिया जाए। साथ ही प्रभावित परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए और भूमि उपयोग के आधार पर नियमित किराया भी निर्धारित किया जाए। किसान नेता एवं न्याय एवं अधिकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष परसोतमभाई एन. मुंगरा ने कहा कि यदि किसानों को न्याय नहीं मिला तो राज्यभर में किसान आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की एकता को मजबूत कर लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। किसानों ने सरकार से कृषि से जुड़े अन्य मुद्दों जैसे खाद-बीज की कीमतें, डीजल की उपलब्धता, फसल बीमा और ऋण माफी पर भी ध्यान देने की मांग की है।

जर्जर पुलिया बनी ग्रामीणों की परेशानी, मरम्मत न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

दुर्गेश कुमार गुप्ता

मध्य प्रदेशः नगर विकास के नाम पर भले ही नगर परिषद द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर परिषद ब्योहारी के वार्ड क्रमांक 9 स्थित आदर्श ग्राम न्यू बरौंधा जाने वाले एकमात्र संपर्क मार्ग की पुलिया एवं सडक लंबे समय से जर्जर और क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी है। इससे वार्डवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड वासियो का कहना है कि जुलाई 2025 में हुई भारी वर्षा के दौरान पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। घटना के लगभग एक वर्ष बाद भी पुलिया का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। समस्या की गंभीरता को देखते हुए वार्डवासियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल मरम्मत एवं नवीन पुल

निर्माण की मांग की है।

वर्षा में फिर बह सकती है पुलिया, हो गया है खोखला

वार्ड वासियों के अनुसार जुलाई 2025 की बारिश के बाद पुलिया के नीचे का हिस्सा पूरी तरह खोखला हो गया था। सुरक्षा रेलिंग का अभय होने से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। वार्डवासियों एवं क्षेत्रीय पार्षद धर्मेन्द्र सिंह द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत एवं ज्ञापन सौपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

एक माह में कार्रवाई नहीं हुई तो होगा जनांदोलन

धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि तेज बारिश के दौरान पुलिया और उससे जुड़ी सड़क का बड़ा हिस्सा बह गया वा जिससे मुख्य मार्ग पर विशाल गड्?ढा बन गया और गांव का संपर्क बाधित हो गया। हालत से मजबूर होकर ग्रामीणों ने स्वयं लाखों रुपये खर्च कर नहीं और मिट्टी डालकर अस्थायी मार्ग तैयार किया, लेकिन आगामी चारिश में इसके फिर यह जाने की आशंका बनी हुई है। पार्ड गासियों ने प्रशासन से भास्त पुलिया एवं सहत का तत्काल निर्माण, राडक किनारे मजबूत धिचिग कार्य, नदीन एवं ऊचे पुल का निर्माण, जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही की जांच तथा निर्माण कार्यों की निगरानी के लिए स्थानीय समिति गठित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर उनकी मागों पर कार्रवाई नहीं की नई तो वे सामूहिक धरना-प्रदर्शन एवं जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सम्पर्ण जिम्मेदारी शालन-प्रशासन की होगा।

13 जून को बनाया जाएंगा मेगा अपार डे, छात्रों के लिए विशेष कैंप लगाए जाएंगे

दुर्गेश कुमार गुप्ता

मध्य प्रदेशः ब्योहारी शहडोल जिले के स्कूली छात्रों के व्यापक हित और उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिए जिले में 'अपार आईडी' कार्ड बनाने का महाअभियान तेजी से जारी है।

कलेक्टर डॉ केदार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति जेडी उमेश धुर्वे के मार्ग निर्देशन में छात्र हित को सर्वोपरि रखते हुए शिक्षा विभाग ने एक बड़ा निर्णय लिया है। जून माह के प्रत्येक शनिवार को जिले के सभी क्षेत्रों में 'मेगा अपार डे' का आयोजन किया जाएगा। इस क्रम में अगला भव्य जिला में 'मेगा अपार डे' आगामी 13 जून को आयोजित होने जा रहा है। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की बड़ी पहल कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने संयुक्त रूप से सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कोई भी छात्र इस

महत्वपूर्ण डिजिटल पहचान से वंचित न रहे। जिला शिक्षा अधिकारी आर.के. मंगलानी और जिला परियोजना समन्वयक अमरनाथ सिंह ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं ब्लॉक रिसोर्स केंद्र समन्वयक को जमीनी स्तर पर इसकी शत-प्रतिशत मॉनिटरिंग के आदेश दिए हैं।

संकुल प्राचार्यों को निर्देश : हर सप्ताह लगाएं विशेष कैंप डीईओ आर.के. मंगलानी और डीपीसी अमरनाथ सिंह ने सख्त लहजे में कहा है कि सभी संकुल प्राचार्य अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों में हर सप्ताह अनिवार्य रूप से 'विशेष कैंप' का आयोजन करें। इन शिविरों के माध्यम से छूटे हुए सभी विद्यार्थियों की अपार आईडी वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी' प्राथमिकता के आधार पर बनाई जाएगी। ब्योहारी विकासखंड अधिकारी श्री ब्रह्मानंद श्रीवास्तव ने बताया क्या है अपार आईडी और क्यों है जरूरी? यह केंद्र सरकार की 'वन नेशन, एक स्टूडेंट आईडी' योजना का हिस्सा है, जो छात्र के जीवनभर काम आएगी। इसमें छात्र के खेलकूद, परीक्षा परिणाम, छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां डिजिटल रूप से दर्ज रहेंगी।और स्कूल बदलने या कॉलेज एडमिशन के समय कागजी दस्तावेजों की जरूरत नहीं पड़ेगी। शिक्षा विभाग ने सभी पालकों और छात्रों से अपील की है कि वे आगामी 13 जून (शनिवार) को अपने नजदीकी संकुल केंद्र या स्कूल में आयोजित होने वाले विशेष कैंप में पहुंचकर अपनी 'अपार आईडी' अनिवार्य रूप से बनवाएं। बीआरसी मनोज केसरवानी का संदेश :अपार आईडी केवल एक पहचान पत्र नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों के पूरे शैक्षणिक सफर का एक सुरक्षित डिजिटल लॉकर है। ब्योहारी विकासखंड का कोई भी पात्र छात्र इस सुविधा से वंचित न रहे, इसके लिए सभी शिक्षक मिशन मोड में काम करें और अभिभावकों को इसके महत्व से अवगत कराएं।

प्री-मानसून सफाई कार्य पर नाराजगी

सड़क पर फैली गंदगी से लोगों को परेशानी

शेतिया सुनील

गुजरातः जामनगर महानगरपालिका द्वारा मानसून पूर्व (प्री-मानसून) तैयारियों के तहत शहर में नहरों और ड्रेनेज की सफाई का कार्य किया जा रहा है। लेकिन इस कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। नागरिकों का आरोप है कि सफाई के नाम पर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, महानगरपालिका द्वारा लाखों रुपये की लागत से हाल ही में निर्मित नए सड़क मार्ग का अभी तक उद्घाटन भी नहीं हुआ है, लेकिन उससे पहले ही सड़क की हालत खराब हो गई है। सफाई कार्य के दौरान निकाली गई गंदगी और कीचड़ सड़क पर फैला दिए जाने से क्षेत्र

में गंदगी का साम्राज्य फैल गया है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आसपास के क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस गंभीर समस्या के संबंध में कई बार ध्यान आकर्षित किए जाने के बावजूद अब तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का यह भी कहना है कि जिस स्थान पर यह स्थिति बनी हुई है, वहां एक सरकारी विद्यालय भी स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं आते-जाते हैं। ऐसे में गंदगी और अस्वच्छ वातावरण बच्चों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकता है।

स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि यदि प्रशासन इस प्रकार की समस्याओं को नजरअंदाज करता रहेगा, तो स्वच्छता और जनस्वास्थ्य के दावों का क्या औचित्य रह जाएगा? लोगों ने महानगरपालिका से तत्काल संज्ञान लेकर सफाई कार्य को वैज्ञानिक और व्यवस्थित तरीके से कराने तथा सड़क पर फैली गंदगी को तुरंत हटाने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यदि इसे प्रशासन की घोर लापरवाही नहीं कहा जाए, तो फिर इसे और क्या कहा जाए?

भीषण गर्मी में यातायात प्रभारी निधि चौधरी ने पुलिसकर्मियों को बांटे छाते और पानी की बोतलें

अनिल

हरियाणाः अपने स्टाफ का दर्द समझने वाली यातायात प्रभारी निधि चौधरी कुछ अलग करने के लिए भी हमेशा प्रयास में रहती निधि चौधरी ने भीषण गर्मी के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और होमगार्ड जवानों को छाते और पानी की बोतलें वितरित की। शामली। यातायात प्रभारी निरीक्षक निधि चौधरी के द्वारा लगातार यातायात के नियमों का पालन तो कराया ही जा रहा है। साथी जागरूकता के लिए भी भरी गर्मी में वाहन स्वामियों को जागरूक किया जा रहा है। यही नहीं अपने स्टाफ का दर्द समझने वाली निधि चौधरी कुछ अलग करने के लिए भी

हमेशा प्रयास में रहती है। एक ऐसा ही प्रयास यातायात प्रभारी निधि चौधरी ने करते हुए तेज धूप हो या बरसात ट्रैफिक के पुलिस जवान जिम्मेदारी के साथ शहर के यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने का कार्य करते हैं, इसलिए हमने उन्हें बारिश व धूप से बचाव के लिए छतरी प्रदान की है।

निधि चौधरी ने भीषण गर्मी के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और होमगार्ड जवानों को छाते और पानी की बोतलें वितरित की। निधि चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि भीषण गर्मी में ट्रैफिक व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मी और होमगार्ड जवान लगातार सड़क पर रहकर अपनी ड्यूटी निभाते हैं। ऐसे में उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने सभी ट्रैफिक पुलिस जवानों को गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी। ट्रैफिक पुलिस और होमगार्ड जवानों ने यातायात प्रभारी निधि चौधरी के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया।

भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर अपना दल (एस) ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र रॉबर्ट्सगंज अपना दल (एस) सोनभद्र द्वारा सिल्थम पटना में भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस पर एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दिनाँक 9 जून को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रॉबर्ट्सगंज (401) के विधानसभा अध्यक्ष श्री पुष्पराज सिंह पटेल ने की, जबकि कुशल संचालन जिला मीडिया सचिव श्री विकास पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुसूचित जाति/जनजाति मंच के जिलाध्यक्ष मा. हरि प्रसाद धांगर जी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में विधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. अभिषेक

चौबे जी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री दिनेश बियार जी, सोनभद्र के जिलाध्यक्ष श्री अंजनी पटेल जी, युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष जनाब अहमद हसन अमन जी, युवा मंच के कार्यकारी प्रदेश उपाध्यक्ष श्री आनंद पटेल दयालु जी, कार्यकारी प्रदेश सचिव द्वय श्री आलोक पाण्डेय व श्री अभिषेक पटेल, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री विकास शाक्य, बौद्धिक मंच के कार्यकारी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्री विवेक पाण्डेय और सिल्थम पटना के प्रधान श्री अमरनाथ चेरो जी शामिल हुए।

युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत

कार्यक्रम के दौरान युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष जनाब अहमद हसन अमन जी के प्रथम सोनभद्र आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर और माल्यार्पण कर उनका गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि मा. हरि प्रसाद धांगर जी ने अपने संबोधन में कहा, "भगवान बिरसा मुंडा केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अधिकार और सामाजिक न्याय के अग्रदूत थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के दमन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समाज में नई जागृति का संचार किया। उनका सर्वोच्च बलिदान देश के इतिहास में सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

विशिष्ट अतिथियों ने भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी का जीवन हमें सामाजिक न्याय, स्वाभिमान और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। आज देश को आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण और जनसेवा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। श्रद्धांजलि सभा का समापन भगवान बिरसा मुंडा के विचारों पर चलने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने, संगठन की मजबूती और जनसेवा के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रवीण त्रिपाठी, जनाब शिब्बू शेख, जिला सचिव सतीश पटेल, सौरभ मौर्या, राकेश पटेल, संतोष कनौजिया, जिला मीडिया सचिव इं. नीरज सिंह पटेल, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर पटेल, जिला कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश पटेल, रामलाल प्रजापति, नंदू पटेल, युवा मंच के जिलाध्यक्ष अंशु तिवारी, व्यापार मंच के राहुल पाण्डेय, सांस्कृतिक मंच के रविशंकर सिन्हा, अल्पसंख्यक मंच के जनाब आसिफ अहमद, युवा मंच के जिला उपाध्यक्ष आयुष कांत मिश्रा, युवा मंच के विधानसभा अध्यक्ष लवकुश पटेल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हेड कांस्टेबल अजीत यादव का शव फंदे से लटका मिला, पुलिस सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई

अनिल

हरियाणाः 41 साल के अजीत यादव कानपुर देहात के रहने वाले थे. इटावा में तैनात थे. 10 दिन पहले उनका तबादला फतेहगढ़ हो गया था, लेकिन जॉइनिंग नहीं की। दो दिन पहले जब सुबह लोग पुलिस लाइन के बास्केटबॉल ग्राउंड में टहलने पहुंचे तो वह फंदे से लटके मिले। अजीत के भाई अरविंद यादव भी इटावा में दरोगा हैं। एक और भाई पुलिस में हैं। जबकि एक वकील हैं। परिवार भी मिल जुलकर रहता है। पत्नी निशा देवी और बेटा-बेटी साथ में पुलिस लाइन में क्वार्टर में 11 साल से रह रहे थे। बताया तो ये भी गया है कि अजीत शेयर मार्केट में ऑनलाइन ट्रेडिंग करते थे. इसमें बड़ा नुकसान हुआ, इसी सदमे में जिन्दगी हार गए, लेकिन इन चचाओं पर परिवार यकीन नहीं कर रहा। खैर, पुलिस विभाग ने हेड कांस्टेबल को पूरे सम्मान से विदाई दी।

किसानों के लिए कटंगी में शुरू हुआ काव्या ट्रैक्टर्स शोरूम

अशोक महूले

मध्य प्रदेशः कटंगी क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कटंगी में सोनालिका ट्रैक्टर्स के अधिकृत डीलर 'काव्या ट्रैक्टर्स' के नवीन शोरूम का भव्य शुभारंभ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वारासिवनी-खैरलांजी विधायक माननीय विवेक विक्की पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के किसान, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शोरूम के शुभारंभ अवसर पर पूरे परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का पुष्पहार एवं शाल-श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। उपस्थित जनसमूह ने नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर काव्या ट्रैक्टर्स परिवार को शुभकामनाएं देते हुए इसे क्षेत्र के कृषि विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं और किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों की उपलब्धता समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कटंगी क्षेत्र के किसानों को अब बेहतर गुणवत्ता वाले ट्रैक्टर, कृषि यंत्र एवं तकनीकी सेवाएं स्थानीय स्तर पर प्राप्त होंगी, जिससे खेती को अधिक लाभकारी और आधुनिक बनाया जा सकेगा। उन्होंने काव्या ट्रैक्टर्स के संचालकों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रतिष्ठान किसानों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। इस अवसर पर सोनालिका ट्रैक्टर्स के मध्यप्रदेश जोनल हेड अखिलेश शाह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सोनालिका ट्रैक्टर्स देश के किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर आधुनिक तकनीक एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले ट्रैक्टर तैयार करती है। कंपनी का उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कटंगी में नए शोरूम के खुलने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को बिक्री, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेंगी।

कार्यक्रम के दौरान काव्या ट्रैक्टर्स के संचालक इंजी. प्रशांत भाऊ मेश्राम ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य केवल ट्रैक्टर बेचना नहीं, बल्कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना और उन्हें बेहतर सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि शोरूम में सोनालिका के विभिन्न मॉडल उपलब्ध रहेंगे, साथ ही किसानों को वित्तीय परामर्श, आसान ऋण सुविधा, समयबद्ध सर्विस एवं तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कटंगी, वारासिवनी, लालबर्रा, तिरोड़ी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अब गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। काव्या ट्रैक्टर्स किसानों और कंपनी के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य करेगा। शोरूम में प्रशिक्षित स्टाफ एवं आधुनिक सर्विस सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे किसानों को बेहतर अनुभव प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के दौरान किसानों ने भी नए शोरूम के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त की। किसानों का कहना था कि क्षेत्र में सोनालिका के अधिकृत शोरूम की स्थापना से उन्हें ट्रैक्टर खरीदने, सर्विस कराने और आवश्यक उपकरण प्राप्त करने में काफी सुविधा मिलेगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर शोरूम का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद अतिथियों ने शोरूम का अवलोकन कर वहां उपलब्ध ट्रैक्टर मॉडलों एवं सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं किसानों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।कटंगी में काव्या ट्रैक्टर्स का शुभारंभ केवल एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि संसाधनों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे निश्चित रूप से कृषि क्षेत्र को नई गति मिलेगी और किसानों को बेहतर सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा।

धरती आबा बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मंगलवार को शहादत दिवस के रूप में कांग्रेस भवन, रांची में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन की शोषणकारी नीतियों के खिलाफ आदिवासी समाज को संगठित कर ऐतिहासिक उलगुलान (महान जनक्रांति) का नेतृत्व किया था। अंग्रेजों की नीतियों के कारण मुंडाओं की पारंपरिक खूंटकट्टी व्यवस्था समाप्त होने की स्थिति में पहुंच गई थी, जिसके विरोध में बिरसा मुंडा ने संघर्ष का बिगुल फूंका और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन लड़ाई लड़ी।

वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1897 में शुरू हुए उलगुलान आंदोलन ने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी। भगवान बिरसा मुंडा ने शोषण, अन्याय और दमन के खिलाफ संघर्ष करते हुए आदिवासी समाज में आत्मसम्मान और अधिकारों की चेतना जगाई। कारावास के दौरान उनका निधन हो गया, लेकिन उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय की लड़ाई में हमेशा प्रेरणास्रोत बना रहेगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा द्वारा दिखाया गया संघर्ष, सामाजिक न्याय, समानता और जनकल्याण का मार्ग आज भी प्रासंगिक है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा तथा समतामूलक समाज के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में डॉ. राजेश गुप्ता, अभिलाष साहु, सतीष पॉल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दूबे, राकेश सिन्हा, राजन वर्मा, अख्तर अली, सोनाल शांति, निरंजन पासवान, सुरेंद्र सिंह, कामेश्वर गिरी, जगदीश साहु, राज उरांव, डॉ. राजीव नारायण प्रसाद, मुन्ना सिंह, छोटू सिंह, मृत्युंजय कुमार, मृदुल राज, खालिद सैफुल्लाह, अजय सिंह, संजय कुमार, उमेश चौधरी, अब्दुस सलाम अंसारी एवं रामानंद केशरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रामसभा का हुआ आयोजन

विकास कार्यों व समस्याओं पर हुई चर्चा

राजेशभाई खापाभाई पटेल

गुजरातः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलमथा ग्राम पंचायत में आज एक महत्वपूर्ण ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा में पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में सरपंच आशीष पटेल, तलाटी मंत्री अल्केश पटेल, जितेश पटेल, संकेत पटेल सहित ग्राम पंचायत के अन्य सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामजन उपस्थित रहे। ग्रामसभा के दौरान आवास योजना, जल योजना, सड़क निर्माण तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र की विकास योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग भी रखी।

ग्रामसभा में कई स्थानीय निवासियों ने अपने-अपने मुद्दे प्रमुखता से उठाए। कलमथा निवासी मुतेश पटेल एवं अन्य ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और उनके समाधान की मांग की।

इसी क्रम में कलमथा गामसरा फड़िया निवासी राजेश पटेल ने अपने घर तक जाने वाले पक्के रास्ते की समस्या को उठाया। उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से सड़क की सुविधा न होने के कारण विशेषकर बरसात के मौसम में उनके परिवार को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की मांग की। इसके अलावा कलमथा थाना फड़िया निवासी रूपेश पटेल (टपुक भाई) ने अवैध मिट्टी खनन का गंभीर मुद्दा ग्रामसभा के समक्ष रखा। उन्होंने मांग की कि संबंधित स्थानों पर नियमानुसार चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं तथा अवैध खनन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उनके द्वारा उठाए गए इस मुद्दे को ग्रामसभा में उपस्थित सदस्यों द्वारा सराहा गया और इसे गंभीरता से लेने की बात कही गई।

ग्रामसभा में स्वास्थ्य विभाग की ओर से भूमिका बेन एवं उनके स्टाफ की भी उपस्थिति रही। उन्होंने ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं जागरूकता संबंधी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी उपस्थित जनों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इसके साथ ही ग्रामसभा का समापन शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में किया गया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि उठाए गए सभी मुद्दों पर जल्द ही ठोस कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन से बड़ी टूट

सैकड़ों सदस्यों ने बनाया नया संगठन

अंकित कुमार

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन गाजीपुर इकाई के जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों सहित जनपद की सात तहसीलों में से छह तहसीलों के तहसील अध्यक्षों ने अपने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों सहित करीब सैकड़ों सदस्यों ने ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन से पद तथा सदस्यता से सामूहिक इस्तीफा देकर अपना नया संगठन "भारतीय ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश" बना लिया है। इसी क्रम में ग्रापए वाराणसी मंडल के मंडल महामंत्री रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने भी अपने पद तथा सदस्यता से इस्तीफा देकर नये संगठन की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने ग्रापए के प्रदेश तथा वाराणसी मंडल के उच्च पदाधिकारियों की हिटलरशाही, तानाशाही एवं अलोकतांत्रिक ढंग से जनपद गाजीपुर इकाई में छेड़छाड़ करके नेतृत्व बदलाव करने, मनमाने ढंग तहसील अध्यक्ष को हटाने आदि क्रियाकलापों से तंग आकर यह कदम उठाया है।

प्रवक्ता विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि गाजीपुर जनपद के सात तहसीलों में से छह तहसीलों में गाजीपुर सदर तहसील के तहसील अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय, सैदपुर तहसील के तहसील अध्यक्ष प्रहलाद दास जायसवाल, मोहम्मदाबाद तहसील के तहसील अध्यक्ष रामविलास पाण्डेय, जमानियां तहसील के तहसील अध्यक्ष विकास सिंह, सेवराई तहसील के तहसील अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह तथा जखनियां तहसील के तहसील अध्यक्ष सुधाकर पाण्डेय ने अपने सभी सदस्यों सहित पद तथा ग्रापए की सदस्यता से इस्तीफा देकर नये संगठन "भारतीय ग्रापए" की सदस्यता ग्रहण कर लिया है। उन्होंने बताया कि शेष एक बची तहसील कासिमाबाद तहसील में अतिशीघ्र तहसील ईकाई का गठन हो जायेगा। इसी क्रम में ग्रापए गाजीपुर इकाई के अजिला कार्यकारिणी के पूर्व अध्यक्ष कमलेश पाण्डेय उर्फ दरोगा पाण्डेय, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र मिश्रा, रामअवतार यादव, तथा विजय प्रकाश श्रीवास्तव, जिला महामंत्री विनीत दूबे, कोषाध्यक्ष सुभम मोदनवाल, मंत्री राधेश्याम यादव 'पप्पू', वरिष्ठ सदस्य अरुण कुमार तिवारी, धर्मेन्द्र सिंह, आदि लोगों ने इस्तीफा देकर नये संगठन भारतीय ग्रापए की सदस्यता ग्रहण की है।

नये संगठन "भारतीय ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन' गाजीपुर इकाई के सदस्यों ने सर्वसम्मत से जिलाध्यक्ष पद पर कमलेश कुमार पाण्डेय को चुना गया है। इसी तरह छह तहसीलों के तहसील अध्यक्ष भी पूर्ववतः की भांति अपने अपने तहसीलों में नये संगठन भारतीय ग्रापए के तहसील अध्यक्ष पद पर कार्यरत रहेंगे। श्रीवास्तव ने बताया कि बहुत जल्द ही भारतीय ग्रापए के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष संगठन के वरिष्ठ लोगों से विचार विमर्श करके अपनी जिला कार्यकारिणी की गठन करके सूची जारी करेंगे। नये संगठन की बैठक एक सप्ताह के अंदर होगी। जिसमें संगठन को मजबूत तथा सदस्यों की संख्या बढ़ाने के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया जायेगा।

अबासणा गांव के सरकारी तालाब पर अतिक्रमण का आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग

बाबूभाई सागथाजी ठाकोर

गुजरातः भाभर बनासकांठा बनासकांठा जिले के भाभर तहसील अंतर्गत स्थित ग्राम अबासणा में सरकारी तालाब एवं पड़तर भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आया है। गांव के निवासी एवं भारत निविदा लाइन समाचार राष्ट्रीय हिंदी न्यूज के जिला प्रभारी बाबूजी सगथाजी ठाकोर ने प्रशासन को आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा अतिक्रमण हटाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव की जीवनरेखा माने जाने वाले सरकारी सर्वे नंबर 54 स्थित तालाब एवं उसकी पाल पर कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा कथित रूप से अतिक्रमण कर कच्चे और पक्के निर्माण किए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी भूमि पर आवासीय और पशुपालन संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं,

जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है और तालाब का मूल स्वरूप प्रभावित हो रहा है।

आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पुराने सर्वे रिकॉर्ड में तालाब का क्षेत्रफल 6.21 एकड़ दर्ज था, जबकि नए सर्वे रिकॉर्ड में क्षेत्रफल 2-66-27 दर्शाया गया है। क्षेत्रफल में इस कथित विसंगति को लेकर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं और राजस्व विभाग से जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार जल संरक्षण, भूजल स्तर बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से तालाबों के विकास पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन यदि तालाबों और उनकी पाल पर अतिक्रमण होता है तो इससे सरकारी योजनाओं का उद्देश्य प्रभावित होता है। बताया जा रहा है कि तालाब की पाल के समीप कच्चे-पक्के निर्माण किए गए हैं और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग के आरोप भी लगाए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि पूर्व पंचायत कार्यकाल के दौरान विकास कार्यों एवं वित्तीय लेन-देन में अनियमितताएं हुई हो सकती हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि पंचायत से जुड़े सभी विकास कार्यों और खर्चों की भी जांच कराई जाए, जिससे सच्चाई सामने आ सके। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो भविष्य में वर्षा जल संचयन, भूजल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस गंभीर जनहित के मुद्दे पर कितनी शीघ्रता से संज्ञान लेकर जांच शुरू करता है और सरकारी भूमि एवं तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए क्या कदम उठाता है।

राजसमंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध गतिविधियों पर कसा शिकंजा, 6 आरोपी गिरफ्तार

प्रकाश सिंह रावत

राजस्थानः राजसमंद जिले में जिला पुलिस अधीक्षक श्री हेमंत कलाल के निर्देशन में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में खमनोर थाना पुलिस ने पिछले 48 घंटों के भीतर अलग-अलग मामलों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए गैंग गतिविधियों, मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध शराब परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर सक्रिय कथित ह्लाला इलेवन गैंगह्व से जुड़े छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि यह गिरोह क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सोशल मीडिया के माध्यम से दहशत फैलाने का प्रयास कर रहा था। थाना खमनोर पुलिस की टीम ने सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान और उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। इसके साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इनके संपर्क किन-किन अन्य आपराधिक गिरोहों से हैं और इनके नेटवर्क का विस्तार कितना व्यापक है।

मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध शराब परिवहन के मामलों में भी सख्त कार्रवाई करते हुए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मौके से अवैध सामग्री जब्त कर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में नशे और अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए अभियान और तेज किया जाएगा। जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार की गैंग गतिविधि, अवैध हथियारों का उपयोग या मादक पदार्थों की तस्करी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को सतर्क रहकर ऐसे तत्वों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

राजसमंद पुलिस की इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस सख्त कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि ऐसे अभियानों से क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण लगेगा। पुलिस प्रशासन ने यह भी अपील की है कि नागरिक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर अपराधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

पुलिस भर्ती लिखित परीक्षा का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः प्रयागराज जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती हेतु दिनांक 08 ,09 व 10 जून 2026 आयोजित की जा रही लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा के तृतीय दिवस पर बुधवार को द्वारका प्रसाद गर्ल्स इण्टर कालेज सहित अन्य विद्यालयों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने

परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को शासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पुलिस भर्ती परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा संदिग्ध गतिविधि किसी भी दशा में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण सतर्कता, जिम्मेदारी एवं समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, अभ्यर्थियों की सघन जांच तथा संवेदनशील बिंदुओं पर विशेष निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सम्पादकीय

कब थमेगी नन्हे हाथों से मजदूरी?

यह हमारे समाज का एक ऐसा कड़वा सच है जिसे हम रोज देखते हैं और देखकर भी आगे बढ़ जाते हैं। एक तरफ वे बच्चे हैं जो सुबह-सुबह अच्छे कपड़े पहनकर, भारी-भारी बैग टांगे स्कूल जाते दिखते हैं। उनकी आंखों में ढेर सारे सपने होते हैं। वहीं दूसरी तरफ, ठीक उसी सड़क के पार किसी दुकान या ढाबे पर कोई छोटा सा बच्चा जूठे बर्तन साफ कर रहा होता है। उसके हाथ काम करते-करते थक चुके होते हैं और उसके चेहरे पर सिर्फ एक ही डर होता है कि कहीं मालिक डांट न दे।

यह कहानी किसी एक शहर की नहीं है, हमारे आस-पास हर जगह यही हाल है। हर साल 12 जून को हम बाल श्रम निषेध दिवस मनाकर सोच लेते हैं कि हमने अपना फर्ज पूरा कर दिया, लेकिन सच तो यह है कि एक दिन तय कर देने से इन बच्चों की जिंदगी नहीं बदलती। बचपन का मतलब क्या होता है? बचपन यानी बिना किसी टेंशन के जीना, दोस्तों के साथ खेलना, मिट्टी में खेलना और बस मजे करना। लेकिन जब इन्हीं नन्हे हाथों में खिलौनों या किताबों की जगह भारी ईंटें, चाय के कप या साफ-सफाई का झाड़ू थमा दिया जाता है, तो सिर्फ एक बच्चा मजदूरी नहीं कर रहा होता बल्कि उस बच्चे का पूरा भविष्य हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। गरीबी और लाचारी इन बच्चों से हंसने-खेलने के दिन छीन लेती है। कारखानों के गंदे धुएं में, छोटे होटलों के बर्तनों के बीच और खेतों की तेज धूप में इनका बचपन इस तरह पिस जाता है कि ये बच्चे ढंग से मुस्कुराना तक भूल जाते हैं। अब सवाल यह है कि इतनी छोटी सी उम्र में इन बच्चों को पढ़ाई छोड़कर काम पर क्यों लगना पड़ता है? इसका सबसे सीधा जवाब है - घर की गरीबी और लाचारी। जब किसी परिवार में दो वक्त के खाने का ठिकाना न हो, तो मजबूर होकर मां-बाप अपने ही बच्चे को थोड़े से पैसों के लिए काम पर भेज देते हैं। लेकिन इस लाचारी का सबसे गंदा फायदा हमारा पढ़ा-लिखा समाज उठाता है। छोटे दुकानदार, ठेकेदार और यहाँ तक कि बड़े घरों के लोग भी बच्चों को काम पर रखना पसंद करते हैं। क्यों? क्योंकि बच्चे बहुत कम पैसों में बिना कोई नखरा किए दिन-रात काम करते हैं, और वे अपने हक के लिए कभी लड़ भी नहीं सकते। यह एक ऐसा चक्रव्यूह है जिसमें फंसा हुआ बच्चा कभी पढ़-लिख नहीं पाता और बड़ा होकर भी इसी गरीबी में फंसा रह जाता है। कहने को तो हमारे देश में बाल मजदूरी के खिलाफ बहुत कड़े कानून बने हुए हैं। कानून कहता है कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों से काम कराना जुर्म है और हर बच्चे को स्कूल जाने का पूरा हक है। लेकिन सच यह है कि सिर्फ कागजों पर नियम बना देने से किसी गरीब का पेट नहीं भरता। जब तक जमीनी स्तर पर जाकर इन नियमों को सख्ती से लागू नहीं किया जाएगा, तब तक हर नुक्कड़ और चौराहे पर हमें कोई न कोई बच्चा गाड़ियां साफ करता हुआ या चाय की केतली थामे हुए ही दिखेगा। हम हमेशा सरकार और सिस्टम को कोसकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं

ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के हालात क्यों बिगड़ गए?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम बंगाल की राजनीति में कभी अजेय दिखाई देने वाली ममत बेनर्जी और उनकी पार्टी टीएमसी आज गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रही है। 2026 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बाहर होने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष, बगावत और नेतृत्व को लेकर सवाल लगातार बढ़ते दिखाई दे रहे हैं।

अगर डूबकदूबार मंथन करेंगे तो सर्व प्रथम सत्ता-विरोधी माहौल का असर दिखाई दे रहा है। लगभग 15 वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता में रहने के बाद टीएमसी को स्वाभाविक रूप से सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर कथित कट मनी संस्कृति, प्रशासनिक अक्षमता और कुछ चर्चित घोटालों ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुँचाया। कई विश्लेषकों का मानना है कि जनता के एक वर्ग में बदलाव की इच्छा मजबूत हो गई थी।

नेतृत्व और उत्तराधिकार की चुनौती : टीएमसी की सबसे बड़ी ताकत हमेशा ममता बनर्जी का व्यक्तिगत जनाधार रहा है। लेकिन समय के साथ पार्टी में नेतृत्व का अत्यधिक केंद्रीकरण दिखाई देने लगा। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बेनर्जी की भूमिका को लेकर भी संगठन के भीतर मतभेद सामने आए हैं। हाल के घटनाक्रमों में कई नेताओं और सांसदों द्वारा असंतोष व्यक्त किए जाने की खबरें आई हैं।बगावत ने संकट को गहरा किया : सबसे बड़ा झटका तब लगा जब बड़ी संख्या में विधायकों ने बागी रुख अपनाया। रिपोर्टों के अनुसार 58 से अधिक विधायकों ने अलग समूह का समर्थन किया और पार्टी नेतृत्व को खुली चुनौती दी। इससे ञरूष्ट की एकजुटता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं।संगठनात्मक कमजोरी उजागरः चुनावी हार के बाद कई स्थानीय इकाइयों और समितियों को भंग करने की नौबत आई।

यह कदम आत्ममंथन के लिए उठाया गया बताया गया, लेकिन इससे यह भी संकेत मिला कि पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा दबाव में है।कानूनी और विवादास्पद मामलों का दबाव : पार्टी के कुछ नेताओं पर लगे आरोप, जांच एजेंसियों की कार्रवाई और हस्ताक्षर जालसाजी जैसे विवादों ने भी ञरूष्ट की मुश्किलें बढ़ाई हैं। विपक्षइन मुद्दों को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि पार्टी को लगातार सफाई देनी पड़ रही है। आगे की राह :टीएमसी का संकट केवल चुनावी हार का परिणाम नहीं है, बल्कि यह संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और लंबे समय तक सत्ता में रहने से पैदा हुई चुनौतियों का संयुक्त परिणाम है। फिर भी ममता बनर्जी भारतीय राजनीति की सबसे संघर्षशील नेताओं में गिनी जाती हैं। यदि वे संगठन को पुनर्गठित करने, असंतुष्ट नेताओं को साथ लाने और जनता के बीच विश्वास बहाल करने में सफल रहती हैं, तो टीएमसी फिर से मजबूत वापसी कर सकती है। लेकिन यदि आंतरिक कलह और नेतृत्व विवाद जारी रहे, तो पश्चिम बंगाल की राजनीति में ञरूष्ट का प्रभाव पहले जैसा बनाए रखना कठिन हो सकता है। वर्तमान संकट पार्टी के लिए आत्ममंथन का अवसर भी है और अस्तित्व की चुनौती भी।

टीएमसी पार्टी के राज्यसभा सदस्यों में बिखराव क्यों ?

हाल के दिनों में राज्यसभा सांसद सुखेंदु सेखर रॉय के इस्तीफे और कई सांसदों के असंतोष की खबरों ने यह संकेत दिया है कि पार्टी के भीतर असहमति अब खुलकर सामने आ रही है।टीएमसी के राज्यसभा सदस्यों में बढ़ते बिखराव के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं। पहला कारण नेतृत्व को लेकर असंतोष है। पार्टी के कई नेताओं को लगता है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया सीमित दायरे में सिमट गई है और वरिष्ठ नेताओं की राय को पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद यह असंतोष और बढ़ गया है।दूसरा कारण राजनीतिक भविष्य की चिंता है। सत्ता से बाहर होने के बाद अनेक सांसद और विधायक अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। ऐसे समय में कुछ नेताओं द्वारा नए राजनीतिक विकल्प तलाशना स्वाभाविक माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों में कई सांसदों के संभावित अलग रुख अपनाने की चर्चा भी सामने आई है।तीसरा कारण भ्रष्टाचार और संगठनात्मक कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे प्रश्न हैं। इस्तीफा देने वाले नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी में बढ़ती गुटबाजी, भ्रष्टाचार और जनभावनाओं से दूरी की बात कही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि संकट केवल चुनावी हार का नहीं बल्कि संगठनात्मक विश्वास के क्षरण का भी है।चौथा कारण टीएमसी के भीतर उभरता शक्ति-संघर्ष है। पार्टी के पुराने और नए नेतृत्व के बीच संतुलन बनाने की चुनौती लगातार बढ़ती गई है। चुनावी पराजय के बाद यह संघर्ष अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगा है।राज्यसभा सदस्यों में यह बिखराव केवल टीएमसी की समस्या नहीं है, बल्कि यह उन सभी क्षेत्रीय दलों के लिए चेतावनी है जो किसी एक नेता के करिश्मे पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं।

एसी कमरे में बैठकर क्रान्ति की कड़वी बातें

राधा रमण

> इंडिया गठबंधन की एकता सिर्फ नेताओं में है, वह भी दिखावे के लिए है। कार्यकर्ता आज भी एक-दूसरे को निपटाने में ही मशगूल हैं। चुनाव में टिकट वितरण के दौरान इंडिया गठबंधन के राज्यस्तरीय नेताओं की कटुता देखते ही बनती है। हमने देखा कि विधानसभा चुनावों के दौरान सीट बंटवारे में इन्होंने एक-दूसरे पर क्या-क्या आरोप लगाये थे। कई जगहों पर फ्रेंडली फाइट करते दिखाई देते हैं और हार जाने के बाद बैठकर रुदाली करते हैं। देश ने देखा कि महाराष्ट्र में कैसे उद्धव ठाकरे और शरद पवार का उनके अपनों ने ही बिस्तर गोल कर दिया। अब पश्चिम बंगाल में भी यही हो रहा है। बिहार की हालत किसी से छिपी नहीं है।

राजनीति की डगर काफी उबड़-खाबड़ होती है, पथरीली होती है। उसमें धूप में चलना होता है। सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करना होता है। नारेबाजी करनी होती है, जेल जाना होता है और जरूरत पड़ने पर पुलिस की लाठी भी खानी होती है। एयरकंडीशनर (एसी) कमरों में बैठकर तो सिर्फ मीठी-मीठी बातें होती है। क्या आपको लगता है कि देश के सियासी दल खासकर विपक्ष के दल सड़क पर उतरने की हालत में हैं ? कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता।

लगभग दो साल बाद इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्ल्यूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में हुई, जिसमें पांच मुद्दों पर सहमति की बात कही गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि इंडिया गठबंधन के नेता मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), वोटर लिस्ट में हेरफेर और चुनाव की निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखेंगे। इसके अलावा बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। देश में आर्थिक स्थिति की बदहाली, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की सरकार से मांग की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि इंडिया गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते, बैठक करते और जन सरोकार के मुद्दे उठाते रहेंगे। साथ ही संसद के मानसून सत्र के दौरान इंडिया गठबंधन के सांसद रोज बैठक करते रहेंगे।

अब इसका विश्लेषण करते हैं। एसआईआर को लेकर पहले भी विपक्ष के कई दल सुप्रीम कोर्ट जा चुके हैं और मुंह की खाकर लौटे हैं। अब सीजेआई को पत्र लिखने से क्या नया हो जाएगा ? नीट पेपर लीक और सीबीएसई 12वीं बोर्ड की नई ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) को लेकर राहुल गांधी लंबे समय से शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। अभी तक इस्तीफा नहीं मिला। मिलने की उम्मीद भी कम है, क्योंकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2015 में ही स्पष्ट कर चुके हैं कि यह सरकार इस्तीफा देनेवाली नहीं है। तब से सरकार उसी लकीर पर चल रही है। बीच में कई मामले आए, चाहे वह तत्कालीन गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी का मामला हो, मंत्री कौशल किशोर का हो, बंदी संजय का हो, ब्रजभूषण शरण सिंह का हो अथवा हरदीप पुरी का हो, पिछले 12 वर्षों में एम जे अकबर के अलावा किसी ने इस्तीफा नहीं दिया है। अकबर का मामला भी अपवाद कहा जा सकता है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने उनसे इस्तीफा नहीं मांगा था। मीटू में नाम आ जाने और चरित्र हनन से आजिज आकर उन्होंने खुद ही पद छोड़ दिया था।

अब बात सर्वदलीय बैठक बुलाने की करते हैं। अगर विपक्ष के पास देश की बदहाल आर्थिक स्थिति से निकलने, महंगाई पर अंकुश लगाने, बेरोजगारी दूर करने और किसानों की आय बढ़ाने का कोई रोडमैप है, तो उसे जनता को बताना चाहिए। हो सकता है सरकार भी उससे सीख ले लेती। फिर क्या सरकार इन मुद्दों के प्रति गंभीर नहीं है ? कृषि मंत्री संसद के पिछले सत्र में ही कह चुके हैं कि सरकार के प्रयास से किसानों की आय दोगुनी हो गई है। तब संसद में बैठे विपक्ष के लोग क्या कर रहे थे। यह अलग बात है कि किसान अपनी बदहाली और बढ़ते कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं।

इंडिया गठबंधन की बैठक में यह भी तय किया गया कि गठबंधन के नेता हर दूसरे महीने मिलते- बैठक करते रहेंगे और मानसून सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय में रोज बैठक करेंगे। करिए, किसने रोका है ? लेकिन इससे क्या हो जाएगा ?

मुझे कहने दीजिए कि देश में इंडिया गठबंधन के नेताओं के पास सरकार के विरोध का कोई रोडमैप नहीं है। जिन क्षेत्रीय दलों के सहयोग से कांग्रेस राजनीतिक लड़ाई का व्यूह रचना चाहती है, उनका वजूद तो कांग्रेस के पुराने वोटरों से ही तो है। क्या वे अपना वोट बैंक कांग्रेस के लिए कुर्बान करेंगे ? फिर क्या इंडिया गठबंधन के किसी नेता ने कभी सड़क पर उतरने और जेल भरो आंदोलन करने कोशिश की है ? नहीं। आज के नेता चाहे राहुल गांधी हों या अखिलेश यादव, तेजस्वी हों या कोई और, सभी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर-के क्रान्ति करना चाहते हैं। नेताओं के इसी आरामतलब व्यवहार के चलते निष्ठावान कार्यकर्ता घर बैठ गए हैं। सभाओं में किराये की भीड़ जुटाई जाती है। यही कटु सत्य है। इन्हें जनता से भी कोई लेना-देना नहीं है। ये तो बस पिकनिक मनाने के लिए दौरा करते हैं। याद कीजिए, 1974 में विपक्ष के नेताओं ने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्त्व में लामबंद होकर आंदोलन किया था। सडकों पर उतरे थे, पुलिस की लाठियां खायी थीं और जेल गए थे। तब कहीं इंदिरा गांधी की बर्बर सरकार से मुक्ति मिली थी।

इंडिया गठबंधन की एकता सिर्फ नेताओं में है, वह भी दिखावे के लिए है। कार्यकर्ता आज भी एक-दूसरे को निपटाने में ही मशगूल हैं। चुनाव में टिकट वितरण के दौरान इंडिया गठबंधन के राज्यस्तरीय नेताओं की कटुता देखते ही बनती है। हमने देखा कि विधानसभा चुनावों के दौरान सीट बंटवारे में इन्होंने एक-दूसरे पर क्या-क्या आरोप लगाये थे। कई जगहों पर फ्रेंडली फाइट करते दिखाई देते हैं और हार जाने के बाद बैठकर रुदाली करते हैं। देश ने देखा कि महाराष्ट्र में कैसे उद्धव ठाकरे और शरद पवार का उनके अपनों ने ही बिस्तर गोल कर दिया। अब पश्चिम बंगाल में भी यही हो रहा है। बिहार की हालत किसी से छिपी नहीं है। सबकुछ गंवाकर लालू परिवार अब सरकारी बंगले और व्यक्तिगत सुरक्षा पर कैसे हाय-तौबा कर रहा है। इनकी प्राथमिकता में जनता कहीं है ही नहीं। हाल का उदाहारण मध्यप्रदेश की राज्यसभा सीट को ले सकते हैं। कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सूचना छिपाने के कारण रद्द हो जाने पर सिर्फ कांग्रेसी ही हो-हल्ला कर रहे हैं। बाकी विपक्ष खामोश है। ऐसे में आगे इंडिया गठबंधन कौन सी क्रान्ति कर लेगा, समझा जा सकता है।

इसमें दो राय नहीं है कि जनता महंगाई से कराह रही है। महज 10 दिन के अंतराल में पेट्रोल-डीजल के दाम साढ़े सात रुपये और सीएनजी के दाम करीब 6 रुपये बढ़ गए हैं। पेपर लीक हो जाने के कारण बेरोजगारी चरम पर है। सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना दम तोड़ते नजर आ रही है। शुरूआत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर दिए जाते थे, फिर नौ हुए और अब चार पर सिमट गए हैं। खाद्य पदार्थ महंगे हो गए हैं। निजी क्षेत्रों में काम के घंटे तो बढ़ गए हैं लेकिन कामगारों के वेतन में इजाफा नहीं हुआ है। खाद महंगे हो जाने के कारण किसान पहले से ज्यादा संकट में हैं और विपक्ष के नेता एसी कमरों की ठंडी हवा में एकता का राग अलाप रहे हैं। रस्सी जल गई है, लेकिन ऐंठन बाकी है।

लोभ मानव जीवन का सबसे बड़ा शत्रु

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं है, बल्कि आत्मिक उन्नति, सद्गुणों का विकास और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है। मनुष्य के भीतर अनेक प्रकार की इच्छाएँ और आकांक्षाएँ होती हैं। इच्छाएँ जीवन को गति देती हैं और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं, किंतु जब यही इच्छाएँ सीमा का अतिक्रमण कर लेती हैं और केवल अधिक से अधिक प्राप्त करने की अंधी दौड़ में परिवर्तित हो जाती हैं, तब वे लोभ का रूप धारण कर लेती हैं। लोभ या लालच ऐसा दुर्गुण है जो मनुष्य के समस्त सद्गुणों को नष्ट कर देता है और उसके जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं तथा दुखों का कारण बनता है। इसी कारण सभी धर्मों और महान विचारकों ने लोभ को पापों की जड़ तथा मानव पतन का प्रमुख कारण बताया है।

लोभ का अर्थ है आवश्यकता से अधिक पाने की तीव्र और अनियंत्रित इच्छा। सामान्य इच्छाएँ मनुष्य के विकास के लिए आवश्यक होती हैं, परंतु जब व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से आगे बढ़कर केवल संग्रह, स्वार्थ और भौतिक संपत्ति को ही जीवन का लक्ष्य बना लेता है, तब लोभ उत्पन्न होता है। लोभी व्यक्ति को कभी संतोष नहीं मिलता। उसके पास चाहे कितना भी धन, वैभव और प्रतिष्ठा क्यों न हो, वह और अधिक पाने की लालसा में निरंतर व्याकुल रहता है। यही असंतोष उसके मन की शांति छीन लेता है और उसे अनेक अनैतिक कार्यों की ओर प्रेरित करता है।

लोभ को पापों का जनक कहा गया है क्योंकि इसके प्रभाव में आकर व्यक्ति सही और गलत का भेद भूल जाता है। वह अपने लाभ के लिए दूसरों का अहित करने में भी संकोच नहीं करता। इतिहास और वर्तमान समाज दोनों इस बात के साक्षी हैं कि अधिकांश अपराधों के पीछे किसी न किसी रूप में लोभ ही कार्य करता है। चोरी, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, शोषण, विश्वासघात और हिंसा जैसी अनेक बुराइयों की जड़ में लालच ही पाया जाता है। जब व्यक्ति धन और संपत्ति को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मान लेता है, तब उसके भीतर करुणा, दया, प्रेम, सत्य और ईमानदारी जैसे गुण धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं। उनकी जगह क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और छल-कपट जैसे दुर्गुण जन्म लेने लगते हैं।

आज के भौतिकवादी युग में लोभ की समस्या और भी अधिक बढ़ गई है। आधुनिक समाज में सफलता का मापदंड प्रायः धन और वैभव को माना जाने लगा है। लोग अधिक धन कमाने और दूसरों से आगे निकलने की होड़ में लगे हुए हैं। इस प्रतिस्पर्धा ने मानव संबंधों को भी प्रभावित किया है। अनेक बार व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और समाज के हितों की उपेक्षा कर-के केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। धन कमाना गलत नहीं है, परंतु जब धन ही जीवन का केंद्र बन जाता है, तब जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है। व्यक्ति बाहरी रूप से समृद्ध दिखाई देता है, किंतु भीतर से अशांत और असंतुष्ट बना रहता है।

लोभ का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि यह मनुष्य के विवेक को नष्ट कर देता है। लोभी व्यक्ति को अपने कर्मों के परिणामों का विचार नहीं रहता। वह तत्काल लाभ के आकर्षण में पड़कर ऐसे निर्णय लेता है जो अंततः उसके लिए हानिकारक सिद्ध होते हैं। कई बार व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए उन लोगों का भी विश्वास तोड़ देता है जिन्होंने जीवनभर उसका साथ दिया होता है। इस प्रकार लोभ केवल व्यक्ति का ही नहीं बल्कि उसके संबंधों और सामाजिक प्रतिष्ठा का भी विनाश कर देता है।

एक प्रसिद्ध कथा इस सत्य को स्पष्ट करती है। एक धनी व्यापारी को ऐसी शक्ति प्राप्त हो गई जिससे वह जिस वस्तु को स्पर्श करता, वह सोने में बदल जाती। प्रारंभ में उसे अपनी इस शक्ति पर बहुत गर्व हुआ और वह अत्यंत प्रसन्न हुआ। उसने अपने घर की अनेक वस्तुओं को सोने में बदल दिया। किंतु जब उसके स्पर्श से उसकी प्रिय पत्नी भी स्वर्ण प्रतिमा बन गई, तब उसे अपनी भूल का एहसास हुआ। उसने समझा कि धन और सोना जीवन की वास्तविक खुशियों का स्थान नहीं ले सकते। प्रेम, संबंध, अपनापन और मानवीय संवेदनाएँ किसी भी भौतिक संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। इस घटना ने उसके जीवन की दिशा बदल दी और उसे वैराग्य तथा आत्मचिंतन की ओर प्रेरित किया।

वास्तव में मनुष्य की आवश्यकताएँ सीमित होती हैं, परंतु उसकी लालसाएँ असीमित हो सकती हैं। यदि इच्छाओं पर नियंत्रण न रखा जाए तो वे कभी समाप्त नहीं होतीं। जितना अधिक व्यक्ति प्राप्त करता है, उतना ही अधिक पाने की इच्छा उसके भीतर जन्म लेती है। यह स्थिति उस समुद्र के समान है जो अनगिनत नदियों का जल प्राप्त करने के बाद भी कभी नहीं भरता। इसलिए संतोष को मानव जीवन का सबसे बड़ा धन माना गया है। संतोष का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति प्रयास करना छोड़ दे, बल्कि इसका अर्थ है अपनी उपलब्धियों के प्रति कृतज्ञ रहना और अनैतिक साधनों से अधिक प्राप्त करने की लालसा से बचना।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी लोभ अत्यंत हानिकारक है। यह मनुष्य को आत्मिक उन्नति से दूर कर देता है। जब व्यक्ति का मन केवल भौतिक वस्तुओं में उलझा रहता है, तब वह अपने वास्तविक स्वरूप और जीवन के उच्च उद्देश्यों को भूल जाता है। आत्मा का सुख बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि आंतरिक शांति, सदाचार और आत्मज्ञान से प्राप्त होता है। इसलिए सभी धर्मों ने संयम, त्याग और संतोष को महत्वपूर्ण गुण माना है। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है, वही वास्तविक सुख और शांति का अनुभव कर सकता है।

लोभ से बचने के लिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को महत्व दें। हमें यह समझना चाहिए कि धन और संपत्ति जीवन के साधन हैं, साध्य नहीं। यदि भौतिक उपलब्धियों के साथ मानवीय संवेदनाएँ, नैतिकता और आत्मिक विकास न हो तो वह सफलता अधूरी है। हमें अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझना चाहिए तथा जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए। सेवा, परोपकार, दान और सहयोग जैसे गुण लोभ को कम करने में सहायक होते हैं और व्यक्ति को समाज के प्रति उत्तरदायी बनाते हैं।

लोभ मानव जीवन का एक घातक दुर्गुण है जो व्यक्ति के सद्गुणों का नाश कर देता है और उसे पतन की ओर ले जाता है। यह असंतोष, अशांति और अनेक प्रकार के पापों का कारण बनता है। इसके विपरीत संतोष, संयम और सदाचार व्यक्ति को सच्चा सुख, सम्मान और आत्मिक शांति प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को चाहिए कि वह भौतिक लालसाओं पर नियंत्रण रखे और अपने जीवन को नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्यों के आधार पर संचालित करे। यही मानव जीवन की सार्थकता है और यही वास्तविक सुख एवं सफलता का मार्ग भी है।

बच्चों के समग्र विकास का आधार: सूर्य नमस्कार, मंत्र और प्राणायाम

कुमार कृष्णन

आधुनिक युग में बच्चों का जीवन अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और मानसिक रूप से तनावपूर्ण हो गया है। आज की इस भागदौड़ भरी दुनिया में बच्चों पर परीक्षाओं में अव्वल आने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का भारी मानसिक दबाव लगातार बना रहता है। इस अकादमिक और सामाजिक दबाव के कारण आज के बच्चों में एकाग्रता की कमी, ध्यान का बार-बार भटकना, मानसिक तनाव और शारीरिक शिथिलता जैसी गंभीर समस्याएं बेहद आम होती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में सनातन भारतीय संस्कृति का अनुपम उपहार योग बच्चों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए एक अचूक और गहरा सकारात्मक प्रभाव डालने वाला सर्वोत्तम माध्यम सिद्ध हो रहा है। योग न केवल बच्चों के शारीरिक विकास को प्राकृतिक रूप से बढ़ावा देता है, बल्कि उनके ध्यान और एकाग्रता में अभूतपूर्व सुधार करते हुए शैक्षणिक तनाव व चिंता को समूल नष्ट करने में पूरी तरह सहायक है।

बच्चों के अभ्यास में सूर्य नमस्कार को सबसे महत्वपूर्ण और केंद्रीय स्थान प्राप्त है। सूर्य नमस्कार, यानी सूर्य को प्रणाम करना, एक महत्वपूर्ण योगिक अभ्यास है जिसकी उत्पत्ति प्राचीन वैदिक काल में हुई थी, जब सूर्य को आध्यात्मिक चेतना के शक्तिशाली प्रतीक के रूप में पूजा जाता था। अपने इसी गूढ़ उद्गम से विकसित होकर सूर्य नमस्कार बारह आसनों का एक अभ्यास बन गया है जो प्राण यानी सूक्ष्म ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए एक साथ बुने जाते हैं, जिसका उद्देश्य अभ्यासकर्ता का शुद्धिकरण और कायाकल्प करना है।

बच्चों पर सूर्य नमस्कार का वैज्ञानिक प्रभाव अत्यंत सकारात्मक है। यह शारीरिक अंगों, श्वसन तंत्र और मस्तिष्क के विकास को संतुलित करता है, जिससे बच्चों की एकाग्रता और ऊर्जा स्तर में वृद्धि होती है। यह मानसिक विकास और एकाग्रता में सहायक होता है। सूर्य नमस्कार में आगे और पीछे झुकने वाले आसनों से सिर तक रक्त संचार बढ़ता है, जो सोचने की क्षमता और याददाश्त को मजबूत करता है। वहीं यह तनाव कम कर बच्चों के नर्वस सिस्टम को शांत करता है, जिससे आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में उन्हें चिंता और ध्यान भटकने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

यह शारीरिक स्तर पर बच्चों के पाचन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है। पेट के अंगों पर दबाव पड़ने से पाचन क्रिया बेहतर होती है, जिससे बच्चों में भूख न लगने और पेट दर्द जैसी समस्याएं दूर होती हैं। साथ ही यह शरीर को अंदर से डिटॉक्स करता है और हार्मोनल संतुलन बनाए रखता है, जिससे बच्चों की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और यौवनारंभ को संतुलित करने में अत्यंत लाभकारी है। इसके अभ्यास के दौरान गहरी सांस लेने से फेफड़ों की कार्यक्षमता में बड़ा सुधार होता है। यह पूरी तरह से सांस लेने की क्षमता बढ़ाता है, जो तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। विभिन्न आसनों का निरंतर प्रवाह हृदय गति को बढ़ाता है, जिससे यह एक हल्का कार्डियो व्यायाम बन जाता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए उत्कृष्ट है। यह शरीर की मुख्य ग्रंथियों जैसे थायराइड, अग्न्याशय, अधिवृक्क और पिट्यूटरी ग्रंथियों को उत्तेजित करता है, जिससे चयापचय, रक्त शर्करा नियंत्रण और हार्मोनल संतुलन में मदद मिलती है। नियमित अभ्यास से कोर्टिसोल यानी तनाव हार्मोन कम होता है, एकाग्रता बढ़ती है और पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र को सक्रिय करके याददाश्त तेज होती है।

योग के क्षेत्र में सूर्य नमस्कार का एक जीवनशक्ति प्रदायक अभ्यास के रूप में विख्यात है। इसके अभ्यास के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य, शक्ति तथा क्रियाशीलता में वृद्धि होती है। साथ ही साथ आध्यात्मिक प्रगति भी होती है। इसका मिला-जुला परिणाम चेतना के विकास के रूप में परिलक्षित होता है। योगमय जीवन प्रारम्भ करने के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार एक सम्पूर्ण अभ्यास है और इसके लिए मात्र 5 से 15 मिनट तक का नियमित समय देकर इससे प्राप्त होने वाले आश्चर्यजनक लाभों का अनुभव किया जा सकता है। अत्यंत व्यस्त व्यक्तियों जैसे व्यवसायियों, गृहणियों, परीक्षा में व्यस्त विद्यार्थियों अथवा मरीजों में व्यस्त डॉक्टरों आदि के लिए भी यह एक आदर्श एवं उपयुक्त अभ्यास है।

सूर्य नमस्कार एक ऐसा अभ्यास है, जिसका प्रारंभ अति प्राचीन काल से उस समय हुआ जब मनुष्य सबसे पहले अपने अंदर स्थित आध्यात्मिक शक्ति के प्रति सजग हुआ था। सूर्य नमस्कार के अभ्यास से मानव प्रकृति का सौर पक्ष जाग्रत होता है तथा सर्वोच्च चेतना का विकास करने हेतु जीवनदायिनी ऊर्जा प्राप्त होती है।

बीसवीं सदी के भारत के प्रख्यात योगी, चिकित्सक, आध्यात्मिक गुरु और वेदांत के महान आचार्य स्वामी शिवानंद के शिष्य और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बिहार योग विद्यालय के संस्थापक स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने अपनी पुस्तक योग प्न्दीप भाग-2 में बच्चों के लिए योग पर लिखा है कि 8 वर्ष की उम्र से सूर्य नमस्कार, नाड़ी शोधन प्राणायाम और गायत्री मंत्र का अभ्यास शुरू कराना चाहिए। उन्होंने अपने अध्ययन में पाया कि सात से बारह वर्ष की उम्र में बच्चों में कतिपय प्रवृतियों में असंतुलन रहता है। शारीरिक विकास और मनोवैज्ञानिक विकास एक साथ पूरे नहीं होते।ये असंतुलन बच्चों की समस्केया का मूल कारण होता है।ये अभ्यास पीनियल ग्रंथी को स्वस्थ बनाए रखने के साथ साथ जीवन को अतिरिक्त आयु भी प्रदान करता है। मंत्र विचलित मन को संतुलित रखता है। सात आठ वर्ष की आयु में पीनियल ग्रंथी का ह्रास होने लगता है और जब यह प्रक्रिया एक निश्चित सीमा तक बढ़ जाती है तब यौन हार्मोन सक्रिय हो जाता है भावनात्मक विकास अत्यंत तीव्र हो जाता है और बच्चे में समंजन करना कठिन हो जाता है।पीनियल ग्रंथी मस्तिष्क में में बुला आंबलांन्गाटा के शीर्ष पर रहता है। जब तक पीनियल ग्रंथी स्वस्थ रहता है, बच्चे अराजक व्यवहार नहीं करते हैं। स्वामी सत्यानंद सरस्वती की पुस्तक सूर्य नमस्कार में सूर्य-नमस्कार के विस्तार से बताया गया है। परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार बच्चों के लिए योग एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। जिस प्रकार हम शिक्षा प्राप्त करने और अपनी बुद्धि क्षमता बढ़ाने के लिए स्कूल जाते हैं, उसी प्रकार योग का अभ्यास करने से हमारी सीखने की क्षमता में काफी वृद्धि होती है। परमहंस निरंजनानंद के अनुसार सूर्य नमस्कार में पाँच अलग-अलग आसन शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों और ग्रंथियों को प्रभावित करते हैं, जिससे वे सर्वोत्तम रूप से कार्य करते हैं। इसका अभ्यास सुबह के समय करना चाहिए, जब वातावरण शांत और स्थिर हो, आप तरोताजा हों और पढ़ाई के तनाव से मुक्त हों। यह रक्त संचार को बेहतर बनाने, शरीर के विभिन्न अंगों को ऊर्जा प्रदान करने और श्वास को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। मानव जीवन में सांस का बहुत महत्व है। जब आप क्रोधित, तनावग्रस्त या निराश होते हैं, तो आपकी सांसें बहुत उथली और तेज हो जाती हैं। वहीं, जब आप शांत और तनावमुक्त होते हैं, तो सांसें गहरी और लंबी होती हैं।

विकास योजनाओं को मिली मंजूरी, अंबेडकर पार्क व रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट को दी गई हरी झंडी

अरुण कुमार रवि

झारखण्डः छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और शहर को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को मंजूरी दी गई। नगर अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शहर के विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई और सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में नगर क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नगर पंचायत द्वारा शहर के बीचों-बीच डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस पार्क के निर्माण से नगरवासियों को एक बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होगा, जहां लोग सुबह-शाम टहल सकेंगे तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन भी किया जा सकेगा। नगर पंचायत का मानना है कि यह पार्क शहर के सौंदर्यीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि कैमरे लगने से अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, यातायात व्यवस्था सुचारू होगी तथा किसी भी अप्रिय घटना की निगरानी और जांच में आसानी होगी। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देते हुए बोर्ड ने प्रत्येक वार्ड में वार्ड विकास केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को सीधे दर्ज करा सकेंगे, जिससे वार्ड स्तर पर ही समस्याओं का शीघ्र निपटारा संभव हो सकेगा। इससे आम लोगों को नगर पंचायत कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी। बैठक में शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए विशेष टास्क फोर्स के गठन पर भी सहमति बनी। नगर क्षेत्र में लगातार बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टास्क फोर्स शहर की प्रमुख सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाएगी, जिससे यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

छतरपुर की पहचान मानी जाने वाली मन्देया नदी के सौंदर्यीकरण को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। बोर्ड ने नदी के किनारे रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट विकसित करने की योजना को मंजूरी प्रदान की। इस परियोजना के तहत नदी तट का सौंदर्यीकरण, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे यह क्षेत्र पर्यटन और मनोरंजन का नया केंद्र बन सकेगा। इसके अलावा नगर क्षेत्र में विभिन्न वार्डों में सड़क एवं नाली निर्माण योजनाओं को भी स्वीकृति प्रदान की गई। नगर पंचायत का उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत कर नागरिकों को बेहतर आवागमन और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है।

बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत का लक्ष्य छतरपुर को एक आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित नगर के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि बैठक में पारित सभी योजनाओं पर जल्द ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा और विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में नगर उपाध्यक्ष मंजीत कुमार यादव, सभी वार्ड पार्षद, नगर पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में लिए गए निर्णयों को छतरपुर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में नगर की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि, दो मिनट का रखा मौन

सहीहुरहमान

राजस्थानः टोंक पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय स्थित राजीव गांधी सभागार में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर स्व. राजेश पायलट के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि स्व. राजेश पायलट का जीवन सादगी, साहस और जनसेवा का प्रतीक रहा है। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में किसानों, मजदूरों, वंचितों और शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया और हमेशा जनहित को सर्वोपरि रखा। शहर ब्लॉक अध्यक्ष ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राजेश पायलट न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि वे जमीनी स्तर से जुड़े हुए नेता थे, जिन्होंने आम जनता की समस्याओं को नजदीक से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए। उन्होंने कहा कि उनका जीवन आज भी कार्यकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में स्व. राजेश पायलट के योगदान को याद किया और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय राजेश पायलट को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूरा सभागार शांत वातावरण में डूब गया और सभी ने उनके प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राजेश पायलट का राजनीतिक जीवन देशहित, किसान हित और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में विकास और जनकल्याण की दिशा में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए, जिन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। श्रद्धांजलि सभा का समापन उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने और समाज में एकता, भाईचारा एवं विकास को मजबूत करने के संकल्प के साथ किया गया।

बिजली पोल और हाईटेंशन लाइनों को लेकर किसानों ने उठाई मुआवजे व अधिकारों की मांग

सोजित्रा आशाबेन

गुजरातः राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों ने आरोप लगाया है कि उनकी कृषि भूमि, खेतों और वाड़ियों में बिना अनुमति बिजली के पोल तथा निजी कंपनियों की हाईटेंशन विद्युत लाइनों के खंभे लगाए जा रहे हैं। किसानों का कहना है कि उनकी सहमति के बिना किए जा रहे इन कार्यों से खेती योग्य भूमि और फसलों को नुकसान पहुंच रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है। किसानों के अनुसार कई स्थानों पर निजी बिजली कंपनियां और संबंधित एजेंसियां उनकी जमीन पर मनमाने तरीके से कार्य कर रही हैं। उनका आरोप है कि विरोध करने पर किसानों को पुलिस बल की मौजूदगी में खेतों और वाड़ियों से बाहर किया जाता है तथा अपनी ही भूमि पर जाने से रोका जाता है। किसानों ने इसे अन्यायपूर्ण और दमनकारी रवैया बताया है। किसानों का कहना है कि उन्होंने अपनी समस्याओं को जनप्रतिनिधियों, विधायकों, सांसदों और संबंधित विभागों के समक्ष कई बार उठाया, लेकिन अब तक कोई

संतोषजनक समाधान नहीं निकला है। उनका आरोप है कि सरकार और प्रशासन किसानों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिसके चलते उन्हें आंदोलन और किसान सम्मेलन आयोजित करने पड़ रहे हैं।

किसानों ने कहा कि हाईटेंशन लाइनों के बड़े-बड़े पोल कृषि भूमि का बड़ा हिस्सा घेर लेते हैं, जिससे उस क्षेत्र में खेती करना संभव नहीं रह जाता। उनका मानना है कि इससे भूमि की उत्पादकता प्रभावित होती है और किसानों की आय पर भी असर पड़ता है। उन्होंने मांग की कि यदि किसी किसान की भूमि से बिजली लाइनें गुजरती हैं तो उसे उचित और सम्मानजनक मुआवजा दिया जाए। किसानों ने यह भी मांग की कि जिन परिवारों की जमीन पर बिजली पोल और हाईटेंशन लाइनें स्थापित की जाती हैं, उनके परिवार के सदस्यों को संबंधित कंपनियों में रोजगार के अवसर दिए जाएं। साथ ही बिजली कंपनियों द्वारा अर्जित लाभ में किसानों की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। खेती की बढ़ती लागत पर चिंता जताते हुए किसानों ने कहा कि बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जबकि फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। उन्होंने फसल बीमा और अन्य कृषि योजनाओं के लाभ समय पर उपलब्ध कराने की भी मांग की। इस बीच न्याय एवं अधिकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष परसोतमभाई एन. मुंगरा ने किसानों से एकजुट होकर अपने संवैधानिक अधिकारों, उचित मुआवजे और सम्मान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों को संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए, ताकि उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई परीक्षा

भीषण गर्मी और जाम से जूझते रहे अभ्यर्थी व अभिभावक

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः मुजफ्फरनगर जिले में विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। परीक्षा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे, वहीं उनके साथ आए अभिभावकों और परिजनों को भीषण गर्मी और यातायात जाम की समस्या का सामना करना पड़ा। परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के बाद अभ्यर्थियों के अभिभावक बाहर तेज धूप में इधर-उधर छांव की तलाश करते नजर आए। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा एसपी देहात ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों और पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मुजफ्फरनगर के भोपा रोड स्थित एसडी इंटर कॉलेज और गांधी पॉलिटेक्निक कॉलेज एक-दूसरे के निकट होने के कारण परीक्षा के दौरान क्षेत्र में वाहनों का

दबाव काफी बढ़ गया। दोनों केंद्रों पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के पहुंचने से आसपास के मार्गों पर लंबा जाम लग गया। इससे आम नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।हालांकि यातायात पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थिति को संभालने के लिए लगातार प्रयास किए। पुलिसकर्मी जाम खुलवाने और यातायात को सुचारू बनाए रखने में जुटे रहे, जिसके चलते धीरे-धीरे यातायात व्यवस्था सामान्य हो सकी। प्रशासन की सक्रियता से लोगों को राहत मिली।

शहर के अन्य परीक्षा केंद्रों के आसपास भी भारी भीड़ देखने को मिली। रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड और मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। गर्मी के कारण जाम में फंसे लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई लोग पेड़ों और दुकानों की छांव में खड़े होकर राहत पाने का प्रयास करते दिखाई दिए। इसके बावजूद परीक्षा व्यवस्था शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रही। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सभी केंद्रों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे और परीक्षा बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

एक नजर

तड़के घर में घुसकर महिलाओं पर हमला, पुलिस ने दर्ज किया केस

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः प्रयागराज शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के कोहड़िया गांव में दबंगो के हौसले बुलंद हैं। 11 जून 2026 की सुबह तड़के 4:30 से 5 बजे के बीच कूट रचित साज़िश के तहत घर में घुसकर दो महिलाओं पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला किया गया। कोहड़िया गांव निवासी कुसुम सिंह पत्नी स्व. बुद्धिसागर सिंह और आरती सिंह पत्नी प्रवीण कुमार सिंह ने थानाध्यक्ष शंकरगढ़ को दी तहरीर में बताया कि वे घर में सो रही थीं। इसी दौरान रिंकू सिंह पुत्र शिवराम सिंह, उपेन्द्र सिंह पुत्र रिंकू सिंह और नारायण सिंह पुत्र भारत सिंह घर में घुस आए और बिना कुछ कहे-सुने हमला कर दिया। शोर-गुल होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। किसी तरह जान बचाकर बची महिलाओं ने शंकरगढ़ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़ितों के मुताबिक हमला पूर्व नियोजित साज़िश के तहत किया गया था। शंकरगढ़ पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राथमिक उपचार के बाद पीड़ितों को सीएससी शंकरगढ़ भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लाखों की लागत से बना पार्क बदहाल, ग्रामीणों ने जांच की मांग उठाई

रानू/उत्तर प्रदेशः महोबा जनपद के विकासखंड कबरई के ग्राम पंचायत मझलवारा में बना पार्क आज बदहाली के आसू बहा रहा है, जिसमें भारी अनियमितताएं और घोर लापरवाही सामने आई है। लाखों रुपए से बना पार्क आज अपनी बदहाली पर आसू बहा रहा है। सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च करके ग्राम पंचायत में पार्क का निर्माण कराया गया है पर वो खुले भ्रष्टाचार की वजह से उखड़ पड़ा है कुछ ही महीनों पहले बना पार्क आज बिखरा पड़ा है पार्क में लगा सामान जगह जगह उखड़ा पड़ा हुआ और अधूरा सामान लगा हुआ है और पार्क के चारों और लगी जाली टूटी पड़ी और न ही पार्क में कोई साफ सफाई भी नहीं होती है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पार्क का निर्माण लोगों को सुबह शाम घूमने और पार्क में लगे समान का उपयोग बच्चों को बेहतर स्वस्थ के लिए बनाया जाना था पर ग्राम पंचायत सचिव और प्रधान की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुप्रयोग किया गया हैं। कागजों में विकास कार्य पूरा दिखाए जा रहे है, जबकि मौके पर हालत बद से बदतर है। ग्रामीणो ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख़्त कारवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।

मानवाधिकार कार्यकर्ता को मिले कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सम्मान

सुशील दीनानाथ सिंह

महाराष्ट्रः मानवाधिकार के क्षेत्र में लगातार सक्रियता और योगदान के चलते एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता ने देश-विदेश में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। वर्ष 2020 से शुरू हुआ यह सफर आज कई बड़े पदों और सम्मानों तक पहुंच चुका है, जो उनके कार्यों की गंभीरता और प्रभाव को दशार्ता है। बताया गया कि उन्होंने वर्ष 2020 में ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य के रूप में अपने सामाजिक जीवन की औपचारिक शुरूआत की। इसके बाद वर्ष 2021 में महाराष्ट्र के कल्याण क्षेत्र में इसी संगठन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2022 में उन्हें ठाणे जिला, महाराष्ट्र में उपाध्यक्ष बनाया गया, जिससे उनकी सक्रियता और नेतृत्व क्षमता को और मजबूती मिली। इसी दौरान वर्ष 2022 में उन्हें यूनाइटेड नेशंस ह्यूमन राइट्स कमीशन का सदस्य नियुक्त किया गया, जो एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। आगे बढ़ते हुए वर्ष 2023 में उन्हें इसी संस्था में इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट का पद भी दिया गया।

उनकी उपलब्धियों का सिलसिला यहीं नहीं रुका। वर्ष 2024 में उन्हें वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन कमीशन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया, जिससे उनके प्रभाव और जिम्मेदारी दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सम्मानों की बात करें तो वर्ष 2025 में उन्हें राष्ट्रीय अशोक सम्मान से नवाजा गया। वहीं 31 मार्च 2026 को उन्हें भारत गौरव रत्न सम्मान और भारत रत्न सम्मान जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जो उनके योगदान की उच्चतम स्तर पर सराहना का प्रतीक है। मानवाधिकार के क्षेत्र में उनकी यह उपलब्धियां न केवल समाज के लिए प्रेरणादायक हैं, बल्कि यह भी दशार्ती हैं कि निरंतर प्रयास और समर्पण से व्यक्ति वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकता है।

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर भंडाना में हुई श्रद्धांजलि सभा, कई गणमान्य लोगों ने अर्पित किए पुष्प

सहीहुरहमान

राजस्थानः टोंक पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि के अवसर पर दौसा जिले के भंडाना स्थित स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्व. पायलट को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में टोंक से पहुंचे एस. रहमान सहित कई गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा एवं स्मृति स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके जनसेवा, किसान हितों के प्रति समर्पण और राजनीतिक जीवन में किए गए कार्यों को स्मरण किया। अध्यक्ष, रेल लाओ संघर्ष समिति एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अकबर खान ने भी कार्यक्रम में

भाग लेते हुए स्व. राजेश पायलट को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पायलट साहब एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने हमेशा किसानों, मजदूरों और आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाया।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने स्व. पायलट के सामाजिक न्याय, ग्रामीण विकास और जनहित में किए गए कार्यों को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने और समाज में एकता, भाईचारे एवं विकास को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर रामगोपाल गुर्जर, कयामउद्दीन रंगरेज, आसिफ खान, राजेश शर्मा, अजीज उल्ला, एडवोकेट फिरोज खान सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर स्व. पायलट के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां लोगों ने स्वर्गीय नेता के योगदान को याद करते हुए उन्हें देश और किसानों के लिए समर्पित एक महान व्यक्तित्व बताया। श्रद्धांजलि सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

नाथ रावल समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

मनोज कुमार खटीक

राजस्थानः डूंगरपुर विकास नगर चोखला में शुक्रवार को नाथ रावल समाज डूंगरपुर द्वारा जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिले के 11 चोखलों से आए मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। कार्यक्रम में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले करीब 100 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान समाज की ओर से विशिष्ट अतिथि मयुरी रावल का शॉल ओढ़ाकर, गुरु गोरखनाथ का

प्रतीक चिन्ह एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज की उन्नति और विकास का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है तथा समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नाथ रावल समाज डूंगरपुर के जिलाध्यक्ष मुकेश नाथ ओबरी, मुख्य अतिथि आरएएस अधिकारी प्रद्युम्न रावल तथा विशिष्ट अतिथि मयुरी रावल उपस्थित रहे। मयुरी रावल, जिन्हें भारत सरकार के मानवाधिकार आयोग द्वारा कर्म रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में जिले की विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान भी मयुरी रावल के हाथों किया गया। इस अवसर पर निर्भय नाथ, ठुमरनाथ, जिगरजी रावल, पिंटू नाथ, रामाजी नाथ, गोपालनाथ, अक्षय नाथ, उपेंद्र नाथ, गणेश नाथ, शैलेश नाथ, बच्चू नाथ सहित समाज के अनेक पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समाज में शिक्षा और प्रतिभा प्रोत्साहन के संकल्प के साथ हुआ।

PVA NovA VeNture के लिए भूमि पूजन हुआ सम्पन्न, नई विकास यात्रा की हुई शुरूआत

सतीशकुमार मोहनभाई पटेल

गुजरातः विशाद पटेल एवं उनके परिवार द्वारा अपने आगामी महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट PVA Nova Venture के शुभारंभ के अवसर पर विधिवत भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम धार्मिक परंपराओं और वैदिक विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें समस्त देवी-देवताओं का श्रद्धापूर्वक आह्वान एवं वंदन किया गया। इस अवसर पर वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक, शांतिपूर्ण और उत्साह से भरपूर रहा। भूमि पूजन के इस शुभ अवसर पर परिवारजनों, सहयोगियों एवं आमंत्रित अतिथियों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने इस नए प्रोजेक्ट के सफल भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा इसे सुख, समृद्धि और विकास का प्रतीक बनने की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इसे केवल एक निर्माण कार्य की शुरूआत नहीं, बल्कि एक नई विकास यात्रा का शुभारंभ बताया।

इस अवसर पर विशाद पटेल ने कहा कि PVA Nova Venture प्रोजेक्ट का उद्देश्य आधुनिक सोच, नवाचार और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना आने वाले समय में क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और रोजगार व आर्थिक अवसरों को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट विकास, विश्वास और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। परिवार के सदस्यों ने भी इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह भूमि पूजन उनके लिए भावनात्मक एवं ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने प्रार्थना की कि यह नया प्रोजेक्ट निरंतर प्रगति करे और सभी के जीवन में समृद्धि एवं सफलता लेकर आए। उपस्थित अतिथियों ने भी इस पहल की सराहना की और इसे सकारात्मक विकास की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन की सभी पारंपरिक प्रक्रियाएं सम्पन्न की गईं। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर इस प्रोजेक्ट की सफलता के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद प्रदान किए। कार्यक्रम में "PVA Nova Venture" की नई यात्रा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। अंत में सभी ने मिलकर इस परियोजना की सफलता की कामना करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट भविष्य में विकास, नवाचार और प्रगति का नया प्रतीक बनेगा। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक माहौल और शुभकामनाओं के साथ हुआ।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर कानपुर में यातायात व्यवस्था का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः कानपुर में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आया। पुलिस उपायुक्त यातायात श्री रवीन्द्र कुमार ने शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों और परीक्षा मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधों और पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त यातायात ने बजरिया चौराहा, रामबाग चौराहा, चुन्नीगंज तिराहा, हर्ष नगर चौराहा, कर्नलगंज चौराहा, लाल इमली चौराहा, रामादेवी चौराहा, झकरकट्टी बस अड्डा तथा टाटमिल चौराहा सहित प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। उन्होंने इन क्षेत्रों में यातायात की स्थिति का निरीक्षण करते हुए परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

परीक्षा केंद्रों के आसपास अवैध पार्किंग, अतिक्रमण तथा जाम जैसी समस्याओं को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा अवधि के दौरान यातायात संचालन को सुचारु, सुरक्षित और निर्बाध बनाए रखा जाए, ताकि अभ्यर्थी समय पर अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंच सकें। पुलिस उपायुक्त ने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शहरवासियों को भी यातायात संबंधी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए पर्याप्त संख्या में यातायात पुलिस बल की तैनाती करने तथा प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान पार्किंग व्यवस्था का भी परीक्षण किया गया और अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्रों के आसपास वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखना आवश्यक है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य परीक्षा को निष्पक्ष, सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराना है। इसके लिए यातायात प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

भीड़ में खोया 5 वर्षीय मासूम, पुलिस की सूझबूझ और तत्परता से सकुशल परिजनों से मिला

घनश्याम दास

उत्तराखंडः देहरादून पुलिस के सतर्क एवं संवेदनशील कार्य का एक सराहनीय उदाहरण गंगोत्री धाम में देखने को मिला, जहां ड्यूटी के दौरान तैनात एक आरक्षी ने तत्परता दिखाते हुए एक बिछड़े हुए बच्चे को उसके माता-पिता से सकुशल मिला दिया। जानकारी के अनुसार, आई.आर.बी. द्वितीय, देहरादून की सेनानायक एवं आईपीएस अधिकारी डॉ. विशाखा अशोक भदाणे के कुशल निर्देशन में गंगोत्री धाम में व्यवस्थापित ह्यबीह्न दल के तहत आरक्षी प्रीतम सिंह रावत की ड्यूटी लगाई गई थी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच ड्यूटी निभाते हुए आरक्षी प्रीतम सिंह रावत ने मानवता, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट परिचय दिया। घटना के दौरान गंगोत्री मंदिर परिसर में लगभग 5 वर्षीय एक बालक अचानक अपने माता-पिता से बिछड़ गया। भीड़भाड़ और शोरगुल के बीच बच्चा घबराकर रोने लगा, जिसे देखकर ड्यूटी पर तैनात आरक्षी प्रीतम सिंह रावत ने तुरंत स्थिति को गंभीरता से लिया। उन्होंने बिना समय गंवाए बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और उसे शांत कराया।

इसके बाद आरक्षी द्वारा आसपास के क्षेत्र में परिजनों की खोजबीन शुरू की गई। मंदिर परिसर और आसपास मौजूद श्रद्धालुओं से पूछताछ करते हुए लगातार प्रयास किए गए। काफी प्रयासों के बाद बच्चे के माता-पिता का पता लगाया गया और सत्यापन के बाद बालक को सुरक्षित रूप से उनके सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर परिजन अत्यंत भावुक हो गए और उन्होंने राहत की सांस ली। परिजनों ने आरक्षी प्रीतम सिंह रावत के त्वरित निर्णय, सतर्कता और मानवीय व्यवहार की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने इस सराहनीय कार्य के लिए उत्तराखंड पुलिस का भी आभार व्यक्त किया और कहा कि इस प्रकार की तत्परता से श्रद्धालुओं में सुरक्षा की भावना और अधिक मजबूत होती है।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने भी आरक्षी के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थलों पर पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता अत्यंत आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह साबित किया कि व३३१"ल्ल्लि ढङ्क्ष्र् न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम है, बल्कि आपात स्थिति में मानवीय मूल्यों के साथ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने में भी अग्रणी भूमिका निभाती है।

स्वच्छता के लिए जनजागृति का संदेश, नगरपालिका द्वारा स्वच्छता जागृति रैली का किया गया आयोजन

चौधरी राजूभाई वेणाभाई

गुजरातः थराद नगरपालिका द्वारा शहर में स्वच्छता के प्रति जनजागृति फैलाने तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से स्वच्छता जागृति रैली का आयोजन किया गया। यह रैली थराद के आईकॉन रोड से प्रारंभ होकर नगरपालिका कार्यालय तक निकाली गई।

रैली को नगरपालिका प्रमुख अर्जुनसिंह वाघेला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर नगरपालिका के सदस्य, कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। रैली के दौरान शहरवासियों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने, स्वच्छता बनाए रखने तथा अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ और सुंदर रखने के लिए प्रेरित किया गया। स्वच्छता संबंधी नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों से पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की गई। रैली के समापन पर उपस्थित सभी नागरिकों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस भर्ती परीक्षा के तीसरे दिन DCP सेंट्रल ने किया परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः कानपुर बुधवार दिनांक 10.06.2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (UPPRPB) द्वारा आयोजित पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के तृतीय दिवस की प्रथम पाली के दौरान पुलिस उपायुक्त सेंट्रल श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव द्वारा सेंट्रल जोन के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान राजकीय पालीटेक्निक कानपुर, हरसहाय पीजी कॉलेज (पी. रोड), ज्वाला देवी विद्या मंदिर (आनंद बाग), हलीम इण्टर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी), राजकीय गर्ल्स इंटर कॉलेज चुन्नीगंज तथा दयानन्द गर्ल्स महाविद्यालय सिविल लाइन सहित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण किया। इस दौरान परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही निगरानी, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया। परीक्षा सभी केन्द्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न होती पाई गई।

भर्ती परीक्षा देने आई युवती के पति की गोली मारकर हत्या, भाई और मामा पर आरोप

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः रामपुर मनिहारान क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब दिन दहाड़े दोपहर में लगभग 1-30 बजे भीड़भाड़ के स्थान पर लोगों ने गोली चलने की आवाज सुनी, जिसमें गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया, शिवकुमार की पत्नी आकाँक्षा ने रोते चिल्लाते हुए लोगों से मदद की गुहार की और गोली लगे हुए अपने पति की जान बचाने के लिए तडपती आवाज में मदद मांगी।

निर्मम हत्या व भंयकर घटनाक्रम को देखकर लोगों की रूह कांप उठी, वहीं रोते बिलखते मृतक की पत्नी आकाँक्षा ने बताया कि उसका पति उसे भर्ती परीक्षा का पेपर दिलाने आया था, और उसने मौका-ए-वारदात पर सनसनीखेज खुलासा करते हुए साफ साफ बताया कि उसके ही सगे भाई और रिस्तेदारों ने उसके पति को गोली मार दी। ज्ञातव्य के अनुसार मृतक शिवकुमार व आकाँक्षा दोनों ही जिला शामली (उत्तरप्रदेश) के निवासी हैं और लगभग चार माह पूर्व ही उन्होंनें प्रेम विवाह (लव मेरिज) किया था। जो लड़की पक्ष परिवार के नापसन्द था, उसी के चलते रंजिश में इस दुर्घटना को अंजाम दिया गया।

दुर्घटना के तुरंत बाद शिवकुमार को अस्पताल ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसी घटनाक्रम में पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना रामपुर मनिहारान पर यह सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को गोली लग गई है। पुलिस तत्काल अस्पताल पहुँची, जहाँ पता चला कि इलाज के दौरान इस व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। मृतक का नाम शिव कुमार है, मृतक की पत्नी का नाम आकांक्षा है। यह दोनों ही जिला शामली के रहने वाले हैं। इन्होंने करीब 4 महीने पहले प्रेम विवाह किया था, जिस बात को लेकर लड़की के घर वाले संतुष्ट नहीं थे और इनसे रंजिश रखते थे। लड़की मंगलवार को उत्तरप्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा देने जनपद सहारनपुर के थाना रामपुर मनिहारान कस्बे में आई थी, एग्जाम देने के बाद जब यह बाहर वापस जा रहे थे, तो रास्ते में लड़की के परिवार वालों में उसके सगे भाई और मामा शामिल थे, उन्होंने शिवकुमार के ऊपर गोली चला दी, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन किया गया है, शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी। अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

एक नजर

थराद पुलिस ने शराब तस्करी का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

राजपूत रंजीत/गुजरातः थराद पुलिस ने खारखोदा रोड पर स्कॉर्पियो एस-11 क्लासिक कार से भारतीय निर्मित शराब/बीयर की बोतलों (संख्या 1414) सहित कुल 18,83,132 रुपये के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिरीक्षक परिक्षित राठौड़ रेंज बनासकांठा, पालनपुर और वाव-थराद जिले के पुलिस अधीक्षक चिंतन तेरैया ने जिले में जुआ/जुए से संबंधित गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई थराद मंडल के संभागीय पुलिस अधीक्षक एस.एम. वरोतारिया और थराद डाकघर के पुलिस अधीक्षक ए.जी. रबारी के मार्गदर्शन में की जा रही है। थराद डाकघर के पुलिसकर्मी डाकघर क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। उन्हें सूचना मिली कि एक काली स्कॉर्पियो गाड़ी में भारतीय निर्मित विदेशी शराब भरी हुई खारखोदा की ओर आ रही है। सूचना के आधार पर पुलिसकर्मियों ने खारखोदा रोड पर फर्जी नंबर प्लेट ऋख-05-खद-0555 वाली स्कॉर्पियो एस-11 क्लासिक को रोका, जबकि उसका सही नंबर फख-12-वअ-5486 था। गाड़ी में 3,83,132 रुपये मूल्य की भारतीय निर्मित शराब/बीयर की बोतलों का परमिट संख्या 1417 था। शराब, स्कॉर्पियो एस-11 गाड़ी और नंबर प्लेट के साथ-साथ सामान भी बरामद किया गया। दोनों आरोपियों को कुल 18,83,132 रुपये की तस्करी करते हुए पकड़ा गया है और उनके खिलाफ निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। थराद पुलिस स्टेशन में कानूनी कार्रवाई की गई है।

सफाई व्यवस्था चरमराई, नालियां जाम और सड़कों पर गंदा पानी, ग्रामीणों में दिखा आक्रोश

अंकित कुमार/उत्तर प्रदेशः गाजीपुर स्थानीय विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम सभा गायघाट में स्वच्छता अभियान पूरी तरह से कागजी साबित हो रहा है। गांव में पिछले काफी समय से सफाई कर्मियों के न आने के कारण नालियां पूरी तरह से चोक हो चुकी हैं। सड़कों पर बहते गंदे पानी और बजबजाती गंदगी के कारण ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ गहरा आक्रोश है। आवागमन में भारी परेशानीः नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैलने की वजह से राहगीरों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों (गाड़ी-मोटर) को निकलने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन दोपहिया वाहन चालक इस कीचड़ में फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। संक्रामक बीमारियों का खतराः भीषण गर्मी के इस मौसम में नालियों में रुके हुए गंदे पानी से बदबू आ रही है और मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। ग्रामीणों को डर है कि गांव में कोई बड़ी महामारी या संक्रामक बीमारी न फैल जाए। सफाई कर्मी लापताः ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में सफाई कर्मियों की नियुक्ति होने के बावजूद वे महीनों से ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। शिकायत करने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य प्रशिक्षण से किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण पर दिया जोर

सहीहुरहमान/राजस्थानः टोंक शिव शिक्षा समिति द्वारा संचालित 'सपनों की उड़ान' परियोजना के अंतर्गत 9 एवं 10 जून 2026 को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार (SRHR) विषय पर दो दिवसीय हमजोली प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में हमजोलियों एवं चर्चा लीडरों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सक्रिय सहभागिता दिखाई। प्रशिक्षण के दौरान किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक परिवर्तनों, माहवारी स्वच्छता, लैंगिक समानता, सुरक्षित व्यवहार, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार तथा नेतृत्व विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न गतिविधियों, समूह चचाओं एवं सहभागितापूर्ण सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों की समझ को और अधिक मजबूत किया गया।

चारधाम यात्रा के दौरान बड़ा हादसा, अलकनंदा नदी में गिरी कार, डॉक्टर समेत चार की मौत, तीन लापता

राजपूत रंजीत

गुजरातः देवप्रयाग जैसलमेर उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा के दौरान राजस्थान के जैसलमेर जिले के एक परिवार के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। देवप्रयाग क्षेत्र में एक इनोवा कार के अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरने और अलकनंदा नदी में समा जाने से एक डॉक्टर सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार जैसलमेर जिले के दरियानाथ बावड़ी निवासी डॉ. दिनेश कुमार माली अपने माता-पिता को चारधाम यात्रा कराने के उद्देश्य से परिवार के साथ नौ दिन पहले घर से रवाना हुए थे। परिवार धार्मिक यात्रा का आनंद लेते हुए उत्तराखंड पहुंचा था। परिवार के सदस्य लूनाराम खराब स्वास्थ्य के कारण हरिद्वार में ही रुक गए थे और बाकी सदस्यों के लौटने का इंतजार कर रहे थे।

पिता हरिद्वार में अपने परिवार का इंतजार कर रहे थे और तभी उनकी मृत्यु की खबर आई। परिवार की गाड़ी एक घाटी में गिर गई।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोग लापता हो गए।

मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे देवप्रयाग के सकनीधर क्षेत्र के पास परिवार की इनोवा कार अचानक अनियंत्रित होकर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना के बाद वाहन सीधे अलकनंदा नदी के तेज बहाव वाले पानी में समा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। हादसे में डॉ. दिनेश कुमार माली, उनकी माता कमला देवी, भतीजी जानवी और वाहन चालक अखिलेश की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के शवों को बरामद कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बताया जा रहा है कि डॉ. दिनेश कुमार माली ने यूक्रेन से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी और हाल ही में एम्स में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके असामयिक निधन से परिवार और क्षेत्र में शोक की लहर है। वहीं डॉ. दिनेश की बड़ी बहन गुड्डी देवी और उनकी दो बेटियां अभी भी लापता हैं। एसडीआरएफ, पुलिस और अन्य बचाव एजेंसियां अलकनंदा नदी और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही लापता लोगों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। इस हृदयविदारक घटना ने चारधाम यात्रा पर गए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है।

शुभेंदु सरकार का एक महीना : अवैध घुसपैठियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाए सख्त कदम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी नई सरकार के पहले एक महीने ने राज्य की राजनीति और प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों की शुरूआत के संकेत दिए हैं। ब्रिगेड परेड मैदान में पिछले महीने 09 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने भ्रष्टाचार और अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ कई फैसले लिए।

पहले ही महीने में भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना लागू की और करीब 32 लाख महिलाओं के खाते में तीन-तीन हजार रुपये आए हैं। इसके अलावा राज्य की सरकारी बसों में महिलाओं का मुफ्त सफर भी शुरू हुआ है जो नारी शक्ति के लिए बड़ी सौगात के तौर पर देखा जा रहा है।

भाजपा सरकार के शुरूआती महीने में सबसे बड़ा फोकस भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर रहा। विभिन्न स्तरों पर हुई जांच और कार्रवाई में कई राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कदम उठाए जाने की जानकारी सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार, सैकड़ों लोगों पर कार्रवाई की गई, जिनमें कई बड़े नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं। इनमें पूर्व मंत्री सुजीत बोस, स्वरूप विश्वास, दिलीप मंडल, जहांगीर खान, असित मजूमदार, सब्यसाची दत्त और रविंद्रनाथ चट्टोपाध्याय जैसे नाम चर्चा में रहे हैं। इसी अवधि में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों की सक्रियता भी बढ़ी है। खासकर शिक्षक भर्ती घोटाले और अन्य कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से जुड़े फर्जी हस्ताक्षर मामले में पूछताछ की प्रक्रिया तेज हुई।

सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच समिति के गठन की घोषणा की है। इसके साथ ही कई मामलों की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने का निर्णय भी लिया गया है। शिक्षा व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए भी नए कदम उठाए गए हैं।

सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर भी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ाने, होल्डिंग सेंटरों के निर्माण और अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी लोगों की वापसी की प्रक्रिया तेज की गई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जमीन सौंपनी की प्रक्रिया शुरू की गई है ताकि बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी किया जा सके।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, इस एक महीने में लगभग पांच हजार लोग सीमा पार वापस गए हैं, जबकि हजारों लोग अभी भी प्रक्रिया में हैं। सरकार का कहना है कि इससे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

इस अवधि में केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं को राज्य में लागू करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। सबसे प्रमुख पहल आयुष्मान भारत योजना को लेकर है, जिसे राज्य में लागू करने के लिए समझौता किया गया है। इससे पहले यह योजना लंबे समय तक राज्य में लागू नहीं हो पाई थी। इसके साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जन औषधि केंद्रों के विस्तार, दवा उपलब्धता बढ़ाने और कैंसर रोकथाम कार्यक्रमों पर भी जोर दिया गया है।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भी सरकार ने कई बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों के साथ बातचीत शुरू की है। उद्योगपति गौतम अडानी के पुत्र करण अडानी और लार्सन एंड टुब्रो समूह के प्रमुख एस एन सुब्रह्मण्यन के साथ अलग-अलग बैठकें हुई हैं। राज्य में निवेश बढ़ाने और बंद पड़े उद्योगों को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। हावड़ा के एक उद्योगपति असित चट्टोपाध्याय के अनुसार, 'नई सरकार के आने से औद्योगिक माहौल में सुधार की उम्मीद बढ़ी है।'

परियोजनाओं के स्तर पर भी कई बदलाव देखने को मिले हैं। ताजपुर बंदरगाह परियोजना के स्थान पर दादनपात्राबाड़ी में नए बंदरगाह की योजना पर काम शुरू हुआ है। टाटा समूह की वापसी को लेकर भी चर्चा तेज है, खासकर सिंगूर से जुड़े औद्योगिक संदर्भ में। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हुई बैठक में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना की बात सामने आई है। लंबे समय से रुकी हुई मेट्रो और रेल परियोजनाओं को भी फिर से गति देने का दावा किया जा रहा है।

सरकारी कर्मचारियों के हित में भी कई घोषणाएं की गई हैं। महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान की प्रक्रिया शुरू करने और सातवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा को सरकारी कर्मचारी वर्ग एक बड़े निर्णय के रूप में देख रहा है। इसके अलावा नई भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने और आवेदन की अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि करने का निर्णय भी लिया गया है।

हालांकि इस एक महीने के भीतर सरकार को कई विवादों का भी सामना करना पड़ा है। अवैध निर्माण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों और बुलडोजर कार्रवाई को लेकर विपक्ष और कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई है। कई स्थानों पर हॉकरों के हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए हैं। कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से काम कर रहे छोटे व्यापारियों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त समय और पुनर्वास नहीं दिया जा रहा है।

विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार का शुरूआती रुख अत्यधिक आक्रामक और राजनीतिक रूप से प्रेरित है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के महासचिव मोहम्मद सलीम ने कहा है कि यह वही पैटर्न है जो पहले अन्य सरकारों के शुरूआती दौर में देखा गया था। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि राज्य में विकास की बजाय तोड़फोड़ और हटाने की कार्रवाई ज्यादा दिखाई दे रही है। वहीं तृणमूल कांग्रेस के एक विद्रोही विधायक अखरुज्जमां ने कहा कि पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

दूसरी ओर, सत्ताधारी भाजपा का कहना है कि राज्य में लंबे समय से जमे भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को खत्म करने के लिए यह सख्ती जरूरी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य में कानून का राज स्थापित हो रहा है और जनता को राहत मिल रही है।

दुबई में भीषण सड़क हादसे में सात भारतीयों की मौत, नौ घायल

दुबई। दुबई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

दुबई स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि सड़क दुर्घटना में कई भारतीय श्रमिकों की मौत की खबर अत्यंत दुखद है। दूतावास के अधिकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिले हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं।

दुबई पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक मिनीबस सड़क के बीच तकनीकी खराबी के कारण खड़े एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक अचानक बीच सड़क पर रुक गया था।

दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि बस चालक पर्याप्त सावधानी नहीं बरत सका और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं।

घायलों में पांच की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि चार अन्य को मध्यम श्रेणी की चोटें आई हैं। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

ममता ने कल्याण बनर्जी को बनाया लोकसभा का चीफ व्हिप

- 20 बागी सांसदों के अलग गुट बनाने के बाद स्पीकर को भेजा पत्र
- काकोली घोष दस्तीदार को चुन चुके हैं बागी सांसद

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी राजनीतिक उठापटक के बीच पार्टी प्रमुख और संसदीय दल की चेयरपर्सन ममता बनर्जी ने लोकसभा में वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया है। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि इस नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब एक दिन पहले ही लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर पार्टी नेतृत्व से अलग होने का दावा किया था। बागी सांसदों ने केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन देने की घोषणा करते हुए सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। काकोली घोष दस्तीदार ने बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र लोकसभा अध्यक्ष को भेजकर अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता और सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय के आवास पर बागी सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें जून मालिया, बापी हलदर, अबू ताहिर खान और असित कुमार मल समेत कई सांसद शामिल हुए। बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी वहां पहुंचे और सांसदों से मुलाकात की। इससे पहले 9 जून को 11 बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की थी। उस बैठक में भी शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी चर्चा का विषय रही थी।

संसद में टीएमसी की स्थिति

लोकसभा में टीएमसी के वर्तमान में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया था, जब 80 में से 58 विधायकों ने अलग गुट बनाने का दावा किया था। इस समूह ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था। लगातार हो रहे इन घटनाक्रमों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब नजर लोकसभा अध्यक्ष के फैसले और बागी सांसदों की मान्यता संबंधी मांगों पर टिकी हुई है, जिनका असर संसद और राज्य की राजनीति दोनों पर पड़ सकता है।

रावलकोट में पाकिस्तानी रेंजर्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प, गोलीबारी में 27 की मौत

पाकिस्तान। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक बार फिर से भारी अशांति और भयानक हिंसा की चपेट में आ गया है। यहां सक्रिय नागरिक संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर कड़े प्रतिबंध के बाद हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भयंकर झड़पों में 27 लोगों की मौत हो गई है। इस खौफनाक हिंसा में 70 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल भी बताए जा रहे हैं।

यह भारी हिंसा ऐसे समय में भड़की है जब पूरे क्षेत्र में 9 जून को पूर्ण बंद का बड़ा आह्वान किया गया था। रॉयटर्स के अनुसार हालात तब बिगड़े जब समर्थक एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। वहां संगठन के एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था जिसकी पहले हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कड़ी कार्रवाई की जिससे बवाल बढ़ गया।

पुलिस और सुरक्षाबलों की कार्रवाई

पूंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया कि इस खौफनाक हिंसा के दौरान कई जानें गई हैं। कुछ उपद्रवियों ने सीधे सुरक्षा बलों पर अपनी गोलीबारी शुरू कर दी थी जिसके बाद यह भयानक जवाबी कार्रवाई हुई। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने साफ बताया कि 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

इस ताजा और उग्र आंदोलन की सबसे बड़ी वजह विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो अन्य हिस्सों में रहते हैं। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस नई व्यवस्था से उनका अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व काफी ज्यादा कमजोर होगा। उनका यह भी कहना है कि क्षेत्र के फैसलों पर सिर्फ स्थानीय लोगों का ही अधिकार होना चाहिए।

मानवाधिकार आयोग ने जताई गहरी चिंता

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने इस पूरे खौफनाक घटनाक्रम पर अपनी बहुत ही गंभीर चिंता सार्वजनिक की है। आयोग ने कहा कि वह रावलकोट की भयंकर हिंसा और समिति पर लगाए गए प्रतिबंध से बेहद चिंतित है। एक सामाजिक आंदोलन को आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित करना किसी भी तरह से सही नहीं है।

पुतिन के बयान पर चीन की प्रतिक्रिया, भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार

बीजिंग। बीजिंग ने भारत को अपना स्वाभाविक साझेदार बताकर रूस और भारत के साथ त्रिपक्षीय संबंधों की वकालत की है। यह प्रतिक्रिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हालिया इंटरव्यू के बाद आई है, जिसमें उन्होंने चीन-रूस, चीन-रूस-भारत, रूस-भारत और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा की थी। चीन ने स्पष्ट किया है कि वह भारत को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि स्वाभाविक पार्टनर मानता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन, रूस और भारत तीनों ही तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं। इन देशों के बीच अच्छे संबंध बनाए रखना न केवल उनके अपने हित में है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि के लिए जरुरी है। चीन ने त्रिपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए रूस और भारत के साथ बातचीत जारी रखने की बात कही। प्रवक्ता लिन जियान ने चीन-भारत संबंधों पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि चीन-भारत सीमा पर स्थिति सामान्य तौर पर स्थिर बनी हुई है और दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते खुले हैं। लिन जियान ने जोर दिया कि चीन और भारत को सही रणनीतिक समझ को बनाए रखना चाहिए कि वे प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि साझेदार हैं।

ओमान के पास एमटी मैरीवेक्स जहाज में लगी भयंकर आग, सभी 24 भारतीय क्रू सुरक्षित

ओमान। मस्कट में भारतीय दूतावास ने एमटी मैरीवेक्स पर सवार सभी 24 भारतीय क्रू सदस्यों को पूरी तरह सुरक्षित बचाए जाने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। यह भयानक आग लगने की घटना होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिण में सोमवार को घटी थी जिसके बाद चारों तरफ भारी अफरा-तफरी मच गई थी। दूतावास ने इस त्वरित और बेहद सफल रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए ओमान के अधिकारियों का विशेष रूप से बहुत धन्यवाद किया है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वे ओमानी अधिकारियों की तेज प्रतिक्रिया और क्रू को बचाने के लिए काफी शुक्रगुजार हैं।

इस गंभीर घटना के तुरंत बाद भारत सरकार और संबंधित मंत्रालय भी पूरी तरह से हरकत में आ गए और लगातार मामले पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। अंतर-मंत्रालई ब्रीफिंग के दौरान बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने स्पष्ट बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार अभी तक प्राप्त हुई शुरूआती जानकारी के आधार पर एमटी मैरीवेक्स के सभी भारतीय क्रू मेंबर्स बिल्कुल सुरक्षित हैं। शिपिंग विभाग के डायरेक्टर ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि जहाज पर किसी बाहरी प्रोजेक्टाइल के लगने की पक्की और सटीक जानकारी जुटाई जा रही है।

जहाज के मालिकों से लगातार संपर्क जारी

शिपिंग विभाग और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जहाज के मालिकों के साथ लगातार अपना संपर्क बनाए हुए हैं और पूरी सच्चाई जानने की कोशिश कर रहे हैं। ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि वे इस पूरी घटना की गहराई तक जाने के लिए विदेश मंत्रालय और ओमान में भारतीय मिशन के साथ भी संपर्क में हैं। ओमान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर विस्तार से बताया कि मिशन इस जहाज से जुड़ी घटना की जांच कर रहा है जिसमें कई भारतीय क्रू सवार थे। वे नाविकों के उचित बचाव और पुख्ता सुरक्षा के लिए ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार अपने गहरे संपर्क में बने हुए हैं।

मंत्रालयों और नौसेना का शानदार आपसी समन्वय

शिपिंग मंत्रालय अपने सभी नाविकों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय और भारतीय नौसेना के साथ बहुत ही बेहतरीन तरीके से समन्वय कर रहा है। इसके अलावा देश का रक्षा मंत्रालय और विदेश में मौजूद भारतीय मिशन भी इस पूरी बचाव प्रक्रिया में अपना महत्वपूर्ण और बेहद सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

जांच कर रहे अधिकारियों के अनुसार यह एमटी मैरीवेक्स जहाज होर्मुज स्ट्रेट से काफी बाहर था और दक्षिण की दिशा में अच्छी तरह से निकल गया था। इस आपसी बेहतर तालमेल और त्वरित प्रतिक्रिया के कारण ही सभी 24 भारतीय नाविकों को बिना किसी भी बड़े नुकसान के बचाना संभव हो पाया है।

बैलास्ट कंडीशन में चल रहा था मैरीवेक्स जहाज

राहत और बचाव दल के अलावा वरिष्ठ अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार एमटी मैरीवेक्स जहाज पर उस समय कोई भी व्यावसायिक माल बिल्कुल भी नहीं लदा हुआ था। यह विशाल जहाज उस वक्त पूरी तरह से अपनी बैलास्ट कंडीशन में था जिसका उपयोग समुद्र में जहाज के उचित संतुलन और आवश्यक स्थिरता को बनाए रखने के लिए होता है।

बैलास्ट एक बहुत ही व्यापक तकनीकी शब्द है जिसका उपयोग विभिन्न समुद्री और औद्योगिक क्षेत्रों में जहाज के भार के सटीक नियंत्रण के लिए किया जाता है। जहाज के पूरी तरह खाली होने के कारण किसी बड़े माल का नुकसान नहीं हुआ और समय रहते आग बुझाने से सबकी जान बच गई।

एक नजर

बिहार में आठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला

पटना। बिहार सरकार ने सोमवार को राज्य पुलिस प्रशासन में फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आठ अधिकारियों का तबादला कर दिया है। गृह विभाग की ओर से आज यहां जारी अधिसूचना के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक (नागरिक सुरक्षा) पंकज कुमार राज को एससीआरबी का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। उन्हें रेलवे पुलिस महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वहीं तकनीकी सेवाएं एवं संचार की पुलिस महानिरीक्षक एस. प्रेमलथा को मद्य निषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो का पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। इसी तरह विशेष शाखा में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत संजय कुमार को पुलिस महानिरीक्षक, बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशाम सेवाएं में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में कार्यरत सुधीर कुमार पोरिका को एससीआरबी का पुलिस उप-महानिरीक्षक बनाया गया है।पदस्थापन की प्रतीक्षा में चल रहे पुलिस अधीक्षक, बिहार पुलिस मुख्यालय,कुमार गौतम को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-5, पटना का समादेष्टा नियुक्त किया गया है। वहीं पुलिस उप-महानिरीक्षक (यातायात) सुशांत कुमार सरोज को आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) का पुलिस उप-महानिरीक्षक बनाया गया है। वे यातायात विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी संभालते रहेंगे। इसी तरह बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर में पुलिस उप-महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत दीपक रंजन को अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की डकैती निरोध शाखा का पुलिस उप-महानिरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा विशेष सुरक्षा दल के समादेष्टा मनीष कुमार सिन्हा को अशवारोही विशेष सशस्त्र पुलिस, आरा का समादेष्टा नियुक्त किया गया है। वहीं बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-5 के समादेष्टा अजय कुमार को विशेष सुरक्षा दल का समादेष्टा बनाया गया है।

फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

पटना। फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित शिक्षक फैजल खान (खान सर) की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुपेश देव ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। सोमवार को खान सर के वकील अरविंद कुमार महूआर के द्वारा कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई थी। इसके साथ ही गिरफ्तार दोनों सुरक्षा गार्ड की जमानत के लिए भी याचिका दायर की गई थी। शनिवार को खान सर के कोर्ट में सरेंडर करने की खबर आई थी, लेकिन उन्होंने सरेंडर नहीं किया। उनके वकील अरविंद कुमार महूआर ने बताया था कि शनिवार को कोर्ट 1:30 बजे बंद हो गया, इसलिए अग्रिम जमानत याचिका दायर नहीं कर पाए। इसके बाद सोमवार को खान सर के वकील ने कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 30 जून को होगी। दो जून की रात पटना के चर्चित खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ था। खान सर ने प्रतिद्वंद्वी कोचिंग ज्ञान बिंदु के संचालक पर हमला कराने और फायरिंग करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में सीसीटीवी की जांच की थी, जिसमें खान सर के गार्ड की पिटाई होते और बैनर पोस्टर फाड़ते लोग दिखाई दे रहे हैं, लेकिन पुलिस ने फायरिंग की पुष्टि नहीं की थी। सीसीटीवी में कोई भी फायरिंग करते नहीं दिखा था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग संचालक रौशन आनंद को गिरफ्तार किया। इसके बाद एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें खान सर के ही गार्ड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस ने खान सर के दोनों गार्ड को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में गार्ड ने कबूल किया कि उसने खान सर के कहने पर गोली चलाई। इसके बाद पुलिस ने खान सर के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

टीएमसी में बड़ी बगावत, यूसुफ पठान भी कर रहे हैं एनडीए का समर्थन

कोलकाता। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संसदीय दल पर अचानक एक बड़ा संकट मंडराता नजर आ रहा है। अधिकांश सांसदों के समर्थन का दावा करने वाले पार्टी के एक बागी गुट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ छोड़कर केंद्र की सत्ताधारी एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को समर्थन देने का चौंकाने वाला फैसला किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुरजोर चर्चा है कि इन बागी सांसदों के गुट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान लोकसभा सांसद यूसुफ पठान भी शामिल हैं। हालांकि, यूसुफ पठान की तरफ से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह सारा घटनाक्रम ठीक उस समय हुआ जब ममता बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंची हुई थीं। इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर टीएमसी की वरिष्ठ नेता और सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बड़ा बयान देते हुए बागी गुट में यूसुफ पठान का नाम होने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कुल 20 सांसदों ने बगावत का रास्ता चुना है और अगर जरूरत पड़ी, तो वह सार्वजनिक रूप से एक-एक करके सभी के नामों का खुलासा कर सकती हैं। बागी गुट की प्रमुख बताई जा रहीं दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को अपने औपचारिक समर्थन की जानकारी देने का फैसला किया है। उन्होंने फोन पर इस बात की पुष्टि की है कि उनके सहित लगभग बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजने का मन बना लिया है। इस बगावत की खबरों के बीच सोमवार को टीएमसी की तेजतर्रार सांसद महुआ मोइत्रा ने यूसुफ पठान पर तीखा जुबानी हमला बोला। उन्होंने पठान पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी को अमित शाह का फोन आने पर इतनी जल्दी घुटने नहीं टेकने चाहिए। उन्होंने पठान को जिला की जनता द्वारा बड़े अंतर से जिताए जाने की याद दिलाते हुए अपनी राजनीतिक रीढ़ मजबूत रखने की नसीहत दी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि टीएमसी ने बहरामपुर सीट से उपचुनाव लड़कर ममता बनर्जी को लोकसभा भेजने के लिए यूसुफ पठान को इस्तीफे के लिए मनाने की कोशिश की थी, जिसमें पूर्व क्रिकेटर सौरव गांगुली की भी मदद ली गई थी, लेकिन पठान ने इस्तीफा देने से साफ मना कर दिया था। हालांकि, बाद में सौरव गांगुली ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया था।

हॉर्मुज पर नियंत्रण बनाए रखने पर अड़ा ईरान, यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों की आलोचना

तेहरान। ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। उसका कहना है कि वह इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग जारी रखेगा। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने यूरोपीय संघ के फैसले को भ्रामक और राजनीतिक कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरान इस तरह के कदमों को कोई महत्व नहीं देता और हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता बनाए रखने की नीति पर आगे बढ़ता रहेगा। इससे पहले यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख ने बताया था कि सदस्य देशों ने उन कुछ ईरानी व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिन पर जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को सीमित करने में भूमिका निभाने का आरोप है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता में जारी गतिरोध के बीच हॉर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित बनी हुई है।

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवराः पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवराः पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां हैं। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं। बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।' पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

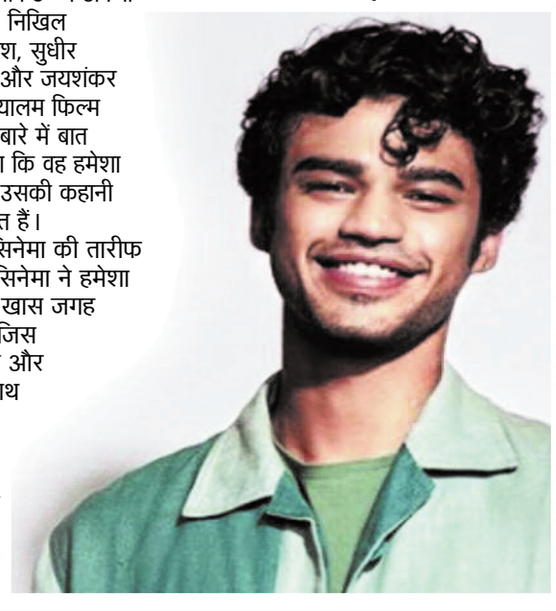

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाडू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

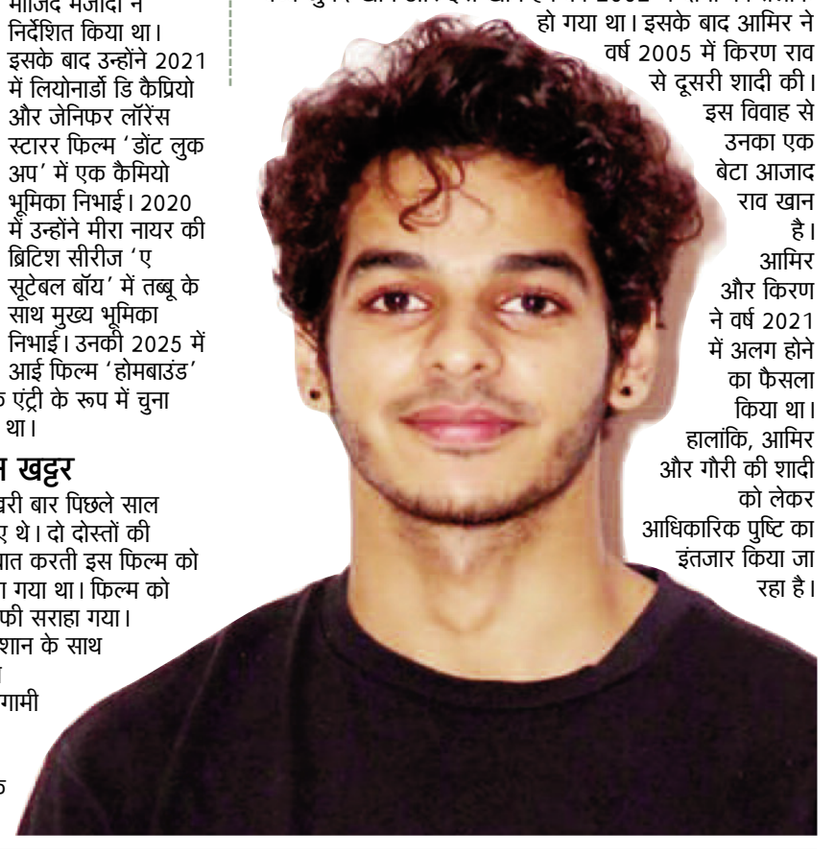

12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी

'12वीं फेल' से सीधे दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली मेधा शंकर की कहानी जितनी चमकदार दिखती है, उतनी ही जमीन से जुड़ी भी है। नेशनल क्रश का टैग मिला लेकिन उन्होंने इसे बोझ नहीं बनाया क्योंकि उनका फंडा साफ है, जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेना। कभी इसी राह पर कदम रखने के फैसले पर घर में सवाल उठे लेकिन उन्होंने भरोसा नहीं छोड़ा। स्ट्रगल, रिजेक्शन और मेहनत के बीच मेधा ने खुद को अपने तरीके से बिना ज्यादा शोर के साबित किया। हाल ही में अपनी फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी' के सिलसिले में लखनऊ आईं मेधा शंकर ने हमारे साथ दिलचस्प बातें शेयर कीं, जहां पर्दे के पीछे की उनकी असली कहानी, संघर्ष और सोच बिना किसी लाग-लपेट के सामने आईं।

मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती

नेशनल क्रश बनने में मेरा कोई योगदान नहीं था। जनता को प्यार हो गया तो हो गया। इस वजह से मैंने इस टैग का कोई प्रेशर नहीं लिया। नेशनल क्रश बनना तो एक अलग बात है लेकिन 12वीं फेल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं। अगर दस स्क्रिप्ट आईं और उनमें से दो पसंद आईं तो मैं उन्हें हां कह देती हूं। मैं जिंदगी में ज्यादा लोड नहीं लेती। 12वीं फैल जैसी फिल्म का इतना अच्छा चलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। शुरुआत में घबराहट हुई क्योंकि मैं वैसे भी आउटसाइडर हूं तो डर था कि आगे मुझे काम मिलेगा या नहीं। क्या करूं, क्या नहीं, इस पर बहुत लोग राय दिया करते थे। फिर मुझे लगा कि इतना सोचने से कुछ नहीं होगा। चाहे कितना भी दिमाग लगा लूं, होगा वही जो होना है इसलिए बहुत सी चीजें भगवान के भरोसे छोड़ देती हूं।

बिना सफल हुए कोई भरोसा नहीं करेगा

'12वीं फेल' से पहले का दौर मुश्किल भरा था। ऑडिशन दे रही थी, पैसे खत्म हो गए थे। 2020 में सबकी तरह मेरे भी पैसे खर्च हो गए थे। ऐसा नहीं था कि घर से कोई फाइनेंशल सपोर्ट ना हो लेकिन 24 साल की उम्र में एक मिडिल-क्लास इंसान होने के नाते यह बात बुरी लगती है कि आपके पास अपना खुद का पैसा नहीं है। ऐसे समय में सिर्फ दो चीजें काम आती हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ता। आपको डटे रहना होता है और खुद पर भरोसा रखना होता है। आप जब तक सफल नहीं होंगे, तब तक आप पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसा नहीं था कि '12वीं फेल' से पहले मुझमें टैलेंट नहीं था लेकिन तब कोई भरोसा नहीं कर रहा था। फिल्म जैसे ही चली, सब बदल गया। कोई आप पर भरोसा नहीं करेगा, जब तक आप सफल नहीं होते।

इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, ये गलत

यह सोच कि सिर्फ सीए, इंजीनियर या डॉक्टर बनने पर ही रिस्पेक्ट मिलती है, यह पूरी तरह से गलत है। ऐक्टर, सिंगर, मॉडल, हर प्रोफेशन की अपनी इज्जत होती है। कोई भी काम छोटा नहीं होता। चाहे आप ट्रेन में तबला या ढोलक ही क्यों न बजा रहे हों, उसमें भी उतनी ही इज्जत है।'

हमेशा वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है

सफल होने से पहले रिजेक्शन को पर्सनली नहीं लेना चाहिए। सामने वाला आपको जानता नहीं है तो वो पर्सनली आपके खिलाफ कैसे कुछ कर सकता है? अगर रिजेक्शन को पर्सनली लेते हैं तो आप बस अपना ही खून जलाते हैं। उससे कुछ हासिल नहीं होगा। मेरा मानना है कि अगर कोई जानबूझकर नेगेटिविटी फैला रहा तो मैं उसे लेकर क्या करूंगी, उसे जाने ही दूंगी। कभी-कभी सोचती हूं कि आखिर में सबको मरना ही है तो इतनी नेगेटिविटी का मतलब क्या है? हम खुद ही चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा बना लेते हैं। 12वीं फेल के बाद मैंने बहुत प्रेशर ले लिया था। आगे क्या होगा, अगला प्रोजेक्ट क्या होगा। फिर समझ आया कि खुशी से काम है तो तनाव लेने से कोई फायदा नहीं। जिंदगी में परेशानी आई है तो रो-रोकर निकालो या खुशी के साथ। टाइम तो वैसे भी काटना ही है। चार लोग आपके बारे में बुरा बोलेंगे लेकिन चार लोग आपको प्यार भी कर रहे होंगे। अक्सर हमें वही दिखता है, जिसने बुरा कहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401